शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 210 | गुवाहाटी | रविवार, 2 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

इजराइल-हमास के बीच युद्ध विराम की बातचीत फेल, हूती ने दी जंग की धमकी पेज 2
असम-भूटान नई रेलवे लाइन की घोषणा पेज 3
सकल हिंदू समाज के आह्वान पर संपूर्ण बंद रहा अजमेर पेज 5
विश्व कप क्वालीपायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल हुए नेमार पेज 7

युवा शक्ति को प्रेरित करने हेतु मंडल अध्यक्षों की आयु सीमा 45 वर्ष : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज नव-निर्वाचित जिला और मंडल अध्यक्षों के लिए संगठनात्मक कार्यशाला एवं अभिनंदन सभा आयोजित हुई। संगठनात्मक कार्यशाला के समापन भाषण में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शासन में उपेक्षित और पिछड़े लोगों को सशक्त बनाने के लिए नव-निर्वाचित जिला और मंडल अध्यक्षों को सतर्क प्रहरी की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि समृद्ध और सुरक्षित असम के लिए भाजपा सरकार जरूरी है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भाजपा सरकार के कारण ही आज असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला है और चराइदेव मैदाम को वैश्विक पहचान मिली है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने नव-निर्वाचित जिला और मंडल अध्यक्षों से आगामी पंचायत, स्वायत्तशासी विकास परिषद, बीटीआर और विधानसभा चुनावों में पार्टी के सेनापति के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने *एडवांटेज असम 2.0* को समृद्ध और विकसित असम के रूपांतरण की आधारशिला बताया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर भारत दक्षिण -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में 8 से सभी सड़कों पर लोगों की निर्विघ्न आवाजाही सुनिश्चित की जाए : अमित शाह

नई दिल्ली। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित ने पहली बार अहम बैठक की। मीटिंग में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस दौरान मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने और अवैध व लूटे गए हथियारों के आत्मसमर्पण पर जोर दिया गया। बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, सेना और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों पर अवरोध पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। उन्हें मणिपुर में कानून-व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई। सूत्रों ने बताया कि बैठक का पूरा फोकस मई 2023 से पहले की सामान्य स्थिति को बहाल करने और विभिन्न समूहों के पास मौजूद अवैध और लूटे गए हथियारों को सरेंडर करने पर था। बता दें कि मणिपुर में मई 2023 में जातीय हिंसा फैली है। अब तक हिंसा की चपेट में आकर 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक था। मगर एन बीरेन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। इसके बाद विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। 20 फरवरी को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उन सभी लोगों को आत्मसमर्पण का अल्टीमेटम दिया था,. जिनके पास अवैध और लूटे गए हथियार हैं। सात दिनों के भीतर 300 से अधिक हथियारों को जमा कराया गया। मैतेई समूह अरम्बाई टेंगोल ने 246 आग्नेयास्त्र आत्मसमर्पित किए। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लूटे गए और अवैध हथियारों -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 2.2 करोड़ रुपए के ड्रग्स के साथ दो लोग गिरफ्तार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य के कछार जिले में दो संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से दो करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मादक दवाएं जब्त की गईं। उन्होंने बताया कि ये गिरफ्तारियां और बरामदगी विशिष्ट सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान की गई। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि @cacharpolice द्वारा 2.2 करोड़ रुपए की ड्रग्स -शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी संग्रह से भरा सरकार का खजाना, 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। शनिवार (1 मार्च) को आधिकारिक आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में सकल जीएसटी संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपए हो गया। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व में फरवरी के दौरान घरेलू राजस्व में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.42 लाख करोड़ रुपए और आयात से राजस्व में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 41,702 करोड़ रुपए शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक, महीने के दौरान केंद्रीय जीएसटी से 35,204 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपए और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपए की वसूली हुई। फरवरी के दौरान जारी किए गए कुल रिफंड 20,889 करोड़ रुपए थे, जो कि एक साल पहले की अवधि की तुलना में 17.3 प्रतिशत अधिक है। फरवरी 2025 के दौरान शुद्ध जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपए हो गया। फरवरी 2024 में सकल और शुद्ध जीएसटी राजस्व क्रमश: 1.68 लाख करोड़ रुपए और 1.50 लाख करोड़ रुपए था। फरवरी 2025 में सकल जीएसटी संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपए था, जो जनवरी 2025 में एकत्र 1.96 लाख करोड़ रुपए से कम है। ईवाई टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि मजबूत जीएसटी संग्रह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अदालत ने यूएसटीएम चांसलर को न्यायिक हिरासत में भेजा

गुवाहाटी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने यूएसटीएम चांसलर महबूबुल हक को श्रीभूमि जिला जेल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है, क्योंकि पुलिस ने उनकी रिमांड बढ़ाने की मांग नहीं की। सोमवार, 1 मार्च को हक को चार दिन की पुलिस हिरासत पूरी होने के बाद श्रीभूमि जिले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत में पेश किए जाने से पहले उसे अनिवार्य चिकित्सा जांच के लिए करीमगंज सदर पुलिस स्टेशन से करीमगंज सिविल अस्पताल ले जाया गया। हक के साथ ही पांच -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार पूर्वोत्तर को देश का विकास इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध : मोहोल

गंगटोक (हि.स.)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने आरोप लगाया है कि 2014 से पहले तत्कालीन केंद्र सरकार ने सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों की उपेक्षा की। उन्होंने दावा किया कि 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास* के नारे के साथ भाजपा सरकार बनने के बाद पूर्वोत्तर राज्यों में विकास सुनिश्चित करने का काम हुआ है। केंद्रीय राज्य मंत्री मोहोल आज राजधानी गंगटोक में भाजपा सिक्किम के वित्त प्रकोष्ठ द्वारा केंद्रीय बजट 2025-26 पर आयोजित संवाद सत्र में बोल रहे थे। इस सत्र में विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न संगठनों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सिक्किम के दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट 2025-26 को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से पेश -शेष पृष्ठ दो पर

जाधवपुर विवि में बवाल, शिक्षा मंत्री और दो प्रोफेसर समेत चार जख्मी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के शिक्षामंत्री ब्रात्य बसु को जादवपुर विश्वविद्यालय में शनिवार को छात्रों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। शिक्षक संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के बाद परिसर से निकल रहे शिक्षा मंत्री के खिलाफ छात्रों ने उग्र नारेबाजी की। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारी छात्रों ने उनकी गाड़ी की हवा भी निकाल दी। मंत्री ने बातचीत की कोशिश की तो छात्रों का समूह और उत्तेजित हो गया। इस दौरान मंत्री की गाड़ी और उनके साथ मौजूद दो पायलट गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। मंत्री ने बताया कि गाड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मैं अलग सोचने वाले युवा लोगों को संदेश देना चाहता हूं कि जिनमें कुछ खोजने का, घूमने का, नामुमकिन को संभव करने का और समस्याओं को जीतने का दम है वे इस मार्ग पर चलना जारी रखें।

– अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

एएमयू कैंपस में फायरिंग, एक छात्र की मौत

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में कोतवाली सिविल लाइन क्षेत्र स्थित अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस में शनिवार को उस वक्त -शेष पृष्ठ दो पर

वोकल फॉर लोकल अभियान अब रंग ला रहा : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनका *वोकल फॉर लोकल* अभियान अब रंग ला रहा है क्योंकि भारतीय उत्पाद वैश्विक हो रहे हैं और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। मोदी ने *एनएक्सटी* सम्मेलन में न्यूजएक्स वर्ल्ड चैनल के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि दुनिया दशकों तक भारत को अपने *बैक ऑफिस* के रूप में देखती रही, लेकिन देश अब दुनिया के कारखाने के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत कार्यबल नहीं, बल्कि एक *विश्व शक्ति* है। पीएम मोदी ने कहा कि देश *सेमीकंडक्टर* और विमानवाहक पोत बना रहा है तथा इसके मखाना और बाजरा जैसे *सुपरफूड* (न्यूनतम कैलोरी और अधिकतम पोषक तत्व वाले खाद्य पदार्थ), आयुष उत्पाद तथा योग को दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख ऑटोमोबाइल उत्पादक बन गया है और इसका रक्षा निर्यात बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि भारत को बिना किसी लीपा-पोती के वैसा ही पेश किया जाना चाहिए जैसा वह है। उन्होंने कहा कि इसे किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की असली कहानियां दुनिया तक पहुंचनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का तीसरी बार फिर से चुना जाना लोगों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत का नया वैश्विक समाचार चैनल देश की उपलब्धियों को विदेशों तक ले जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में बांग्लादेशी तस्कर ढेर, एक जवान गंभीर रूप से घायल

अगरतला। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब 20-25 बांग्लादेशी तस्कर शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे कलमचौरा थाने के पुटिया नामक इलाके के पास भारतीय क्षेत्र में घुस आए। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गश्ती टीम की ओर से चेतावनी दिए जाने पर तस्करों ने जवानों पर हमला कर दिया और उनके हथियार छीनने की कोशिश की। एक जवान ने -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड हिमस्खलन में चार श्रमिकों की मौत, पांच की तलाश जारी

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा क्षेत्र में हुए हिमस्खलन में रेस्क्यू अभियान अभी भी जारी है। सेना के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस हिमस्खलन में फंसे 55 श्रमिकों में से 50 को निकाला गया है, जिसमें चार की मौत हो गई, जबकि पांच श्रमिकों की तलाश अभी जारी है। चमोली जिले के माणा क्षेत्र में हाई-वे चौड़ीकरण के दौरान 55 श्रमिक शुक्रवार को हिस्खलन की चपेट में आ गए थे। हादसे के बाद से ही रेस्क्यू -शेष पृष्ठ दो पर

एक नींबू की कीमत 13 हजार रुपए... खरीदने के लिए लगी लंबी कतार

तमिलनाडु। एक नींबू की कीमत अधिकतम कितनी हो सकती है, यदि आप सब्जी भाजी खरीदने के लिए बाजार जाते होंगे तो आपको अच्छे से पता नहीं होगा। नहीं भी जाते होंगे तो सहज ही अनुमान लगा सकते हैं। लेकिन तमिलनाडु में एक नींबू की इतनी कीमत होगी, आप कभी अंदाजा भी नहीं लगा सकते। जी हां, इस नींबू की कीमत 13 हजार रुपए लगी है। इसके बाद भी इस नींबू को खरीदने के लिए ग्राहकों की लंबी कतार है। दरअसल यह एक खास नींबू है और इसका इस्तेमाल तमिलनाडु के इरोड जिले के एक गांव के मंदिर में अनुष्ठान के लिए हुआ था। इस अनुष्ठान के बाद नींबू की नीलामी हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

इडली में प्लास्टिक : एफएसएसएआई ने सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक में इडली तैयार करने में प्लास्टिक के उपयोग पर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) नेचिंता जाहिर की है। एफएसएसएआई ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कर्नाटक राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग को जल्द से जल्द एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग को इस मुद्दे पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने और भोजन तैयार करने में प्लास्टिक का उपयोग करने वाले खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) या होटलों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए भी कहा है। प्राधिकरण की ओर से शनिवार -शेष पृष्ठ दो पर

मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में आगे बढ़े भारत और यूरोपीय संघ, अधिकारियों ने की चर्चा

मुंबई। भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की दिशा में आगे कदम बढ़ा दिया है। यह समझौता इस साल के अंत तक लागू हो सकता है। शनिवार को भारत और यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते के प्रयासों पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के अलावा दोनों पक्षों के अधिकारियों ने मुंबई में बात की। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा कि हमारी चर्चा संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में प्रयासों को तेज करने पर केंद्रित थी। हम आर्थिक संबंधों को मजबूत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

SITUATION VACANT

Hiring Civil Engineer, Marketing Executive 10 nos for Guwahati & Hojai District.
Contact : 80112-41415, 99578-96885
assureconsultancy0707@gmail.com

इजराइल-हमास के बीच युद्ध विराम की बातचीत फेल, हूती ने दी जंग की धमकी

तेल अबीब। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की बातचीत फेल होती नजर आ रही है। दोनों के बीच युद्धविराम के दूसरे चरण को लेकर बातचीत होनी थी, लेकिन इसी बीच हमास ने आधिकारिक तौर पर बातचीत फेल होने की घोषणा कर दी है। गाजा को लेकर समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत शुरू नहीं होने की जिम्मेदारी प्रवक्ता हाजेम कासिम ने ली है। समूह के प्रवक्ता हाजेम कासिम ने अल-अरबी टीवी को इस सिलसिले में यह भी बताया कि समूह के साथ गाजा में दूसरे युद्धविराम चरण के लिए कोई मौजूदा बातचीत नहीं हुई है। इसी बीच हूती नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती ने इजराइल को युद्ध की धमकी दी है। उन्होंने ऐलान किया है कि अगर गाजा में युद्ध फिर से शुरू हुआ तो हम सैन्य रूप से हस्तक्षेप करेंगे। गाजा और इजराइल में पिछले लंबे समय से युद्ध चल रहा था। युद्धविराम के पहले चरण की बातचीत की गई। इजराइल और हमास दोनों तरफ से बंदियों और कैदियों की रिहाई की गई। इसी के बाद अब फर्स्ट फेज के खत्म हो जाने के बाद सभी की निगाह दूसरे चरण के युद्धविराम की बातचीत पर टिकी थी। युद्धविराम के दूसरे चरण की बातचीत का मकसद गाजा में लड़ाई को समाप्त करना था। साथ ही युद्ध के दौरान जिन लोगों को बंदी बनाया गया था या कैदी बनाया गया था उन सभी को रिहा किया जाना था। जहां एक तरफ हमास ने इस बात का ऐलान कर दिया है कि दूसरे चरण की युद्धविराम की बातचीत पूरी तरह से फेल हो गई है। वहीं, दूसरी तरफ इस संभावना के बीच कि इजराइल फिर से गाजा पर अटैक कर सकता है। यमन में ईरान समर्थित हूती नेता अब्दुल मालिक अल-हूती ने कहा कि अगर गाजा में इजराइल ने फिर युद्ध शुरू किया तो हम इजराइल पर हमले शुरू कर देंगे। हूती के नेता ने हाल ही में रमजान को लेकर एक बयान दिया। इस बयान में अल-हूती ने फिलिस्तीनी लोगों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिलिस्तीन और प्रतिरोध समूहों, खास कर हमास की सैन्य शाखा, कसम ब्रिगेड का समर्थन करने के लिए अपने हम प्रतिबद्ध है। इजराइल और हमास के बीच युद्ध 7 अक्तूबर 2023 में शुरू हुआ था। इसी के बाद पूरे 15 महीने के बाद युद्धविराम की राह नजर आई थी। हमास और इजराइल युद्धविराम के लिए राजी हो गए थे और धीरे-धीरे कैदियों और बंदियों को रिहा किया गया। युद्धविराम का पहला चरण शनिवार को पूरा हो गया है। इस चरण के खत्म होने के बाद सभी दूसरे चरण की बातचीत को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब दूसरे चरण को लेकर हमास ने अपना रुख साफ कर दिया है। दोनों पक्षों को हफ्तों पहले दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करने की उम्मीद थी, जिसमें हमास को 7 अक्तूबर, 2023 के हमले में बंदी बनाए गए बाकी सभी बंधकों को रिहा करना था। फर्स्ट फेज का युद्धविराम 6 हफ्ते चला और यह 1 मार्च को पूरा हो गया। इस दौरान हमास ने सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में सहमत सभी 25 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया। इसी के साथ उस ने 4 शवों को भी इजराइल को सौंपा।

गुरुग्राम : निकाय चुनाव में 1109 मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

गुरुग्राम (हिंस)। शहरी निकाय चुनाव 2025 संपन्न कराने के लिए शनिवार को जिला के पांच निकाय क्षेत्रों में संबंधित रिटर्निंग अधिकारी ईवीएम और मतदान सामग्री के साथ पोलिंग पार्टियां पुलिस सुरक्षा के बीच बूथों पर पहुंच गई। सभी पोलिंग पार्टियों ने जिला के 1109 मतदान केंद्रों पर अपने-अपने बूथ पर मोर्चा संभाल लिया। निर्धारित समय अनुसार रविवार सुबह 8 बजे से सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया शुरू होगी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने सभी पोलिंग पार्टियों व उनके साथ तैनात सुरक्षा कर्मियों को शनिवार शाम से ही बूथ पर पहुंचने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि कोई कर्मचारी बूथ छोड़कर नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए जरूरी है कि नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, नगर परिषद सोहना व पटौदी जाटौली मंडी तथा नगर पालिका फर्रुखनगर में पोलिंग पार्टी में शामिल पीठासीन अधिकारी सबसे पहले मतदान केंद्र पर जाकर अपना बूथ सेट-अप जांच लें। निर्धारित समय अनुसार रविवार सुबह 7 बजे मॉक पोल के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू की जा सके। सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। सभी पोलिंग पार्टी मतदान प्रक्रिया संपन्न होने पर ईवीएम और आवश्यक फार्म वापस वहीं जमा कराएं जहां से पोलिंग पार्टियों ने प्रस्थान किया था। इससे पूर्व जिला के पांचों निकाय क्षेत्रों में रिटर्निंग अधिकारियों ने पोलिंग पार्टियों को मतदान प्रक्रिया के आवश्यक बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सभी स्थानों पर पंडाल में एलईडी स्क्रीन पर कर्मचारियों को ईवीएम चलाने की ट्रेनिंग दी गई। एक पोलिंग पार्टी में पीठासीन अधिकारी के साथ एक एपीओ व दो पोलिंग ऑफिसर शामिल हैं। जिन बूथ पर वोटरों की संख्या एक हजार से अधिक है वहां पोलिंग पार्टी में एक अतिरिक्त पोलिंग अफसर की ड्यूटी लगाई गई है। अंतिम प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारियों को बताया गया कि वे अपनी डायरी व फार्मों को ध्यान से भरें। दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा के लिए पोलिंग पार्टियों को व्हीलचेयर भी दी गई है। अंतिम प्रशिक्षण के बाद पोलिंग पार्टी अपने निर्धारित गंतव्य की ओर रवाना कर दी गई।

वशिष्ठ सड़क हादसे में ओसी की मौत मामले में चालक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। वशिष्ठ सड़क हादसे में हुई ओसी की मौत के मामले में गाड़ी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि वशिष्ठ थानाक्षेत्र के लालमाटी में बीते बुधवार तड़के एक भयानक सड़क दुर्घटना हुई थी, जिसमें नलबाड़ी, घोगरापार थाना के प्रभारी अधिकारी (ओसी) बिरिंची दास की मौत हो गई थी। स्विफ्ट कार का चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने शुक्रवार की देररात क्रिश्चियन बस्ती इलाके से आरोपी चालक विशेष सिंघल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दुर्घटना करने वाला स्विफ्ट कार (एएस 01 एवाई 9101) चला रहा था।

लक्षीपुर के बापुरभिटा से एक बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

कछार (हिंस)। लक्षीपुर के बापुरभिटा से एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया गया है। महिला की पहचान मेहरुन नेशा (30) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार, वह अवैध रूप से बांग्लादेश के खुलना से असम में प्रवेश करने में सफल हुई थी। बीती रात में लक्षीपुर के बापुरभिटा गांव में राजब अली के घर से स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर बगुवान पुलिस को सौंप दिया। साथ ही, राजब अली को भी गिरफ्तार किए जाने की सूचना है।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्र में मिली बड़ी लापरवाही, जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

कानपुर (हिंस)। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आयोजित हो रही यूपी बोर्ड की परीक्षाओं के संबंध में पतारा स्थित किसान औद्योगिक इंटर कालेज में परीक्षा सेंटर का जायजा लिया। इस दौरान स्कूल प्रबंधक की बिना नंबर प्लेट की कार स्कूल परिसर में खड़ी मिली। साथ ही डियूटी पर तैनात पुलिसकर्मी भी नदारद मिले। जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड की परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। परीक्षाओं को पारदर्शिता से संपन्न कराने को लेकर प्रशासन की बड़ी जिम्मेदारी भी है। जिसे लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह समय-समय परीक्षा सेंटरों की समीक्षा भी कर रहे हैं। वह आज पतारा स्थित किसान औद्योगिक इंटर कालेज पहुंचे। जहां उन्होंने स्कूल प्रबंधक की बिना नंबर प्लेट की कार खड़ी पाई। जिसे देखकर उन्होंने कहा कि परीक्षा के समय विद्यालय परिसर में केंद्र व्यवस्थापक और परीक्षा से जुड़े अधिकारियों की ही मौजूदगी होनी चाहिए।

सोनीपत में भाजपा की जीत से विकास की रफ्तार होगी तेज : राजीव

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत से भाजपा के मेयर प्रत्याशी राजीव जैन ने शनिवार को डोर-टू-डोर मतदाताओं से संपर्क साधकर वोट की अपील की। व्यक्तिगत तौर पर घर-घर जाकर लोगों से मेयर उपचुनाव में भारी मतों से जीत दिलाने के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र के मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे 2 मार्च को मेयर उपचुनाव में बढ़-चढ़कर और पूरे जोश के साथ मतदान करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी और जनहितैषी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस बार प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। जनता के समर्थन व सहयोग से भाजपा सोनीपत से सबसे बड़ी जीत हासिल करेगी। राजीव जैन ने जैन बाग कॉलोनी, आदर्श नगर नगर, जीवन नगर, सेक्टर-14 मेन मार्केट, पटेल नगर, चौहान जोशी, लक्ष्मण कॉलोनी, गोहाना रोड बाईपास, कुम्हार गेट, वाल्मीकि बस्ती, सुजान सिंह पार्क, शास्त्री कॉलोनी, मलिक कॉलोनी, प्रगति नगर, पंचायत भवन, अशोक विहार, विशाल नगर, आर्य नगर, गुगा मंदिर, शीशराम बाग कॉलोनी आदि जगहों पर मतदाताओं से डोर-टू-डोर संपर्क साधा और भाजपा के पक्ष में जोरशोर से मतदान करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि उनके मेयर बनते ही जहां सोनीपत के शहरी क्षेत्र का विकास तीव्र गति से होगा, वहीं सोनीपत नगर निगम में शामिल गांवों का शहरी तर्ज पर विकास होगा।

पृष्ठ एक का शेष

युवा शक्ति को प्रेरित...

पूर्व एशिया का द्वार बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हरेकृष्ण भराली की स्मृति में असम प्रदेश भाजपा के मुखपत्र *भाजपा बार्ता* का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, भाजपा राष्ट्रीय सचिव कामाख्या प्रसाद तासा, प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं 39 जिला तथा 433 मंडल अध्यक्ष सहित 500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मणिपुर में 8 से ...

को जमा करने की समयसीमा छह मार्च तक बढ़ा दी है। इस दिन शाम 4 बजे तक लोग अपने अवैध हथियारों को जमा करवा सकते हैं। दरअसल, पहाड़ी और घाटी के लोगों ने और समय की मांग की थी। पिछले 22 महीने से मणिपुर में जारी हिंसा के दौरान लोगों ने पुलिस से बड़ी मात्रा में हथियारों की लूटपाट की थी। अजय कुमार भल्ला पूर्व केंद्रीय गृह सचिव रह चुके हैं। उन्होंने अगस्त 2024 तक पांच साल गृह मंत्री अमित शाह के साथ काम किया। पिछले साल 24 दिसंबर को उन्हें मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया। 3 जनवरी को राज्यपाल का पदभार संभालने के बाद से अजय कुमार भल्ला ने मणिपुर में कई वर्गों से मुलाकात की। मणिपुर में शांति कैसे लाई जाए... इस बारे में लोगों से फीडबैक लिया। अब इसका असर धरातल पर दिखने लगा है।

राज्य में 2.2 करोड़...

बरामद की गई। उन्होंने बताया कि सिलचर पुलिस के तहत सिलदुबी के सिल्कोरी रोड पर चलाए गए एक अभियान में एक वाहन को रोका गया। वाहन से कुल 415 ग्राम हेरोइन और 2 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने नशीली दवाओं की समस्या के खिलाफ पुलिस के प्रयासों की सराहना की।

जीएसटी संग्रह से ...

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। आयात-संबंधी संग्रह की तुलना में घरेलू जीएसटी राजस्व में लगातार वृद्धि आत्मनिर्भर भारत नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन की ओर इशारा करती है। अग्रवाल ने कहा कि इसके अलावा, सरकार द्वारा घरेलू और निर्यात रिफंड के वितरण में वृद्धि, जिसमें उल्टे शुल्क संरचनाओं से संबंधित रिफंड भी शामिल है, व्यवसायों पर कार्यशील पूंजी के दबाव को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केपीएमजी, अप्रत्यक्ष कर प्रमुख और भागीदार, अभिषेक जैन ने कहा कि घरेलू आपूर्ति पर जीएसटी संग्रह में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि और 9.1 प्रतिशत की समग्र वृद्धि चौथी तिमाही के लिए अर्थव्यवस्था के संभावित पुनरुद्धार का संकेत देती है। यदि महाकुंभ प्रभाव लागू होता है, तो अगले महीने की राजस्व वृद्धि और भी बेहतर हो सकती है।

अदालत ने यूएसटीएम...

अन्य आरोपियों- हीरामणि सैकिया, बिजॉय दत्ता, रज्जाक अली, नुमान अहमद और इमदादुर रहमान को 25 फरवरी को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। चार दिन की रिमांड पूरी होने के बाद उन्हें आज शाम करीब 5 बजे कोर्ट में पेश किया गया। हक और नुमान अहमद को शुक्रवार रात दिसपुर पुलिस स्टेशन से स्थानांतरित किए जाने के बाद आज सुबह करीमगंज पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। अदालत परिसर से बाहर निकलते समय हक ने मीडिया को संबोधित करते हुए उनसे आग्रह किया कि वे उनके बजाय यूएसटीएम की उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि यूएसटीएम में आएं और छात्रों, शिक्षकों और संकाय सदस्यों के योगदान को उजागर करें। पथरकंडी में गड़बड़ी के आरोपों का जवाब देते हुए हक ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हम उनकी ईमानदारी के लिए उन्हें पुरस्कृत करेंगे। 5 लाख रुपए लेने के आरोप के बारे में हक ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि ईआरडी फाउंडेशन की *विजन 50* पहल 50 गांवों के वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां 80 प्रतिशत छात्र मुफ्त में पढ़ते हैं। पैसे का सवाल ही नहीं उठता।

मोदी सरकार पूर्वोत्तर ...

किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में समाज के हर वर्ग को शामिल किया गया है तथा यह समावेशी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समाज के अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया है। केंद्रीय राज्य मंत्री मोहोल ने जानकारी दी कि पिछले 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं, भारत एक वैश्विक महाशक्ति और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने दावा किया कि देश के 50 करोड़ लोग आज मोदी सरकार की किसी न किसी योजना के लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा कि आज मेडिकल कॉलेजों, एमबीबीएस सीटों, सड़क निर्माण, रेलवे, हवाई अड्डों और अन्य क्षेत्रों में 2014 से पहले की तुलना में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों की उपेक्षा की थी और 2014 के बाद सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में विकास सुनिश्चित करने के लिए काम किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में सिक्किम को जैविक राज्य के रूप में मान्यता दी गई है और राज्य को हवाई मार्गों से जोड़ने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि अब सिक्किम जल्द ही रेल मार्ग से भी जुड़ जाएगा। सिक्किम की एकमात्र पाकिम हवाई अड्डे के बारे में बोलते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि यहां से देश के अन्य राज्यों के लिए निर्बाध हवाई सेवाएं संचालित करने की पहल की जाएगी। मोदी सरकार पूर्वोत्तर राज्यों को देश का विकास इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री का विजन सिक्किम को जैविक खेती में दुनिया का अग्रणी राज्य बनाना है और केंद्र इस दिशा में सिक्किम को पूरा सहयोग देगा।

जाधवपुर विवि में ...

के टूटे कांच के टुकड़े लगने से वह घायल हो गए और उन्हें एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद ब्रात्य बसु ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनका कहना है कि वे चार छात्र प्रतिनिधियों से बातचीत के लिए तैयार थे लेकिन पूरी भीड़ अगर हंगामा करेगी तो यह स्वीकार्य नहीं। इस मामले में कुलपति को कार्रवाई करनी चाहिए। ब्रात्य बसु तृणमूल समर्थित शिक्षकों के संगठन वेबकूपा की बैठक में शामिल होने के बाद विश्वविद्यालय परिसर से निकल रहे थे। इसी दौरान वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े प्रदर्शनकारी छात्रों ने उनकी कार को घेर लिया और गाड़ी की हवा निकाल दी। जब शिक्षामंत्री छात्रों से बात करने आए तो उनके खिलाफ नारेबाजी तेज हो गई। फिर कुछ छात्रों ने उनकी गाड़ी और उनके काफिले में शामिल वाहनों पर हमला कर दिया। हंगामे के दौरान यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसर घायल हो गए, जिनमें शिक्षक संगठन के सदस्य ओमप्रकाश मिश्रा भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कुछ प्रदर्शनकारी छात्रों ने उन्हें लाठी लेकर दौड़ाया। विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। संघर्ष के दौरान एक छात्र का सिर फट गया, जबकि दो प्रोफेसरों को गंभीर चोटें आईं। इन घटनाओं के बाद विश्वविद्यालय परिसर में जबरदस्त तनाव फैल गया। जादवपुर यूनिवर्सिटी में लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव की मांग उठ रही है। शनिवार को जब ब्रात्य बसु वेबकूपा की बैठक में पहुंचे, तब एसएफआई, आईसा और डीएसएफ जैसे वामपंथी छात्र संगठनों ने छात्रसंघ चुनाव की बहाली को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। वे विश्वविद्यालय के गेट नंबर दो पर धरने पर बैठ गए, जबकि तृणमूल कांग्रेस समर्थित छात्र संगठन टीएमसीपी ने उनके खिलाफ मानव श्रृंखला बना ली। परिस्थिति बिगड़ते देख मंत्री को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन से अंदर ले जाना पड़ा और ओपन एयर थिएटर के पिछले हिस्से से मंच तक पहुंचाया गया।

त्रिपुरा में बांग्लादेशी ...

आत्मरक्षा के लिए पंप एक्शन गन से एक राउंड फायर किया जिससे एक तस्कर की मौत हो गई। हमले में एक जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि जब तस्करों ने जवानों पर हमला किया और उनके हथियार छीनने की कोशिश की तो एक जवान ने आत्मरक्षा के लिए एक राउंड फायर किया। एक तस्कर घायल हो गया और उसे बिशालगढ़ अस्पताल ले जाया गया। घायल बांग्लादेशी तस्कर ने बाद में दम तोड़ दिया। हमले में घायल हुए जवान का भी उसी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बता दें कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में पिछले कई महीनों से अशांति का माहौल है। इस बीच कई बांग्लादेशी अवैध तरीके से भारत की सीमा पर में दाखिल होने की कोशिश में लगे हैं। पश्चिम बंगाल की सीमा पर भी बीएसएफ के जवानों ने निगरानी कड़ी कर रखी है।

उत्तराखंड हिमस्खलन में ...

अभियान जारी है और शनिवार सुबह हिस्खलन में फंसे 55 श्रमिकों में से 50 का रेस्क्यू किया गया। इसमें से चार श्रमिकों ने दम तोड़ दिया। सेना ने चार श्रमिकों की मौत की पुष्टि की है। मध्य कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेन गुप्ता और जीओसी उत्तर भारत क्षेत्र लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा हिमस्खलन क्षेत्र में चल रहे खोज और बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी टीमों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। लेफ्टिनेंट जनरल गुप्ता ने बताया कि शेष पांच श्रमिकों की खोज के लिए विशेष रेको राडार, यूएवी, क्वाडकॉप्टर, हिमस्खलन बचाव कुत्ते आदि को तैनात किया गया है। इसके अलावा हेलिकॉप्टर से भी लगातार सर्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अत्यधिक बर्फबारी से सड़कें अवरुद्ध होने से 06 हेलिकॉप्टर तैनात किए गए हैं। हेलिकॉप्टरों में भारतीय सेना के 3 चीता हेलीकॉप्टर, भारतीय वायु सेना के 2 चीता हेलीकॉप्टर और एक सिविल हेलीकॉप्टर शामिल हैं।

एक नींबू की कीमत ...

इसमें खुली बोली लगाई गई और दर्जनों लोगों ने हिस्सा लिया। आखिरी बोली थंगराज नाम के श्रद्धालु ने 13 हजार रुपए की लगाई। इसके बाद मंदिर प्रबंधन ने यह राशि जमा कराने के बाद वह नींबू थंगराज को सौंप दिया है।मंदिर के अधिकारियों के मुताबिक इस नीलामी में एक चांदी की अंगूठी और चांदी का सिक्का भी रखा गया था। इसमें अंगूठी की बोली 42 हजार 100 रुपए लगी, वहीं सिक्के के लिए आखिरी बोली 35 हजार तक गई थी। बता दें कि तमिलनाडु के अलग अलग मंदिरों में होने वाले अनुष्ठान के बाद फलों और अन्य सामग्रियों को नीलाम करने की परंपरा है। दरअसल सामग्रियां तो कम होती है, लेकिन उन्हें अपने घर में सहेज कर रखने की चाहत रखने वालों की संख्या ज्यादा हो जाती है। ऐसे में मंदिर प्रबंधन खुली बोली लगवाता है और आखिरी बोली लगाने वाले व्यक्ति को वह सामग्री दे दी जाती है। वहीं इससे होने वाली आय को मंदिर के विकास आदि में खर्च किया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक पिछले साल तमिलनाडु के ही विलुप्पुरम जिले में विराजमान भगवान मुरुगन के मंदिर में अनुष्ठान हुआ था। इस अनुष्ठान में भगवान मुरुगन को 9 नींबू चढ़ाए गए थे। अनुष्ठान संपन्न होने के बाद इन नींबुओं की नीलामी हुई और यह नीलामी 2.36 लाख रुपए में छूटी थी। इसमें भी मुख्य अनुष्ठान में शामिल एक नींबू के लिए एक श्रद्धालु ने 50 हजार 500 रुपए चुकाए थे।

इडली में प्लास्टिक ...

को बताया गया कि वह इस गंभीर मामले पर बारीकी से नजर रख रहा है और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। एफएसएसएआई के मुताबिक प्लास्टिक शीट का उपयोग करने की प्रथा भोजन में हानिकारक रसायनों के संभावित रिसाव के कारण महत्वपूर्ण खाद्य सुरक्षा चिंताओं को जन्म देती है। एफएसएसएआई के सीईओ जी कमला वर्धनराव ने कहा कि भोजन तैयार करने में निम्न-गुणवत्ता या गैर-खाद्य-ग्रेड प्लास्टिक का उपयोग, विशेष रूप से उच्च तापमान में गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। उच्च ताप के संपर्क में आने पर ये निम्न-श्रेणी के प्लास्टिक बिस्फेनॉल ए (बीपीए), फेथलेट्स और अन्य रसायनों जैसे जहरीले पदार्थ छोड़ सकते हैं जो खाद्य पदार्थों में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एफएसएसएआई इस मामले की गहन जांच करने और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्य खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एफएसएसएआई ने जोर देते हुए कहा कि भोजन तैयार करने में खाद्य ग्रेड सामग्री का उपयोग और स्वच्छता संबंधी प्रथाएं महत्वपूर्ण हैं। इडली को भाप में पकाने की प्रक्रिया परंपरा के अनुसार या अनुमोदित खाद्य-ग्रेड सामग्री के अनुसार की जानी चाहिए, जिससे रासायनिक संदूषण का खतरा न हो।

मुक्त व्यापार समझौते ...

करने और समृद्ध भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। दोनों पक्ष मुक्त व्यापार समझौते, निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेत (जीआई) पर भी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच 28 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की थी। दोनों पक्षों के बीच 10-14 मार्च तक ब्रुसेल्स में एफटीए के लिए दसवें दौर की वार्ता आयोजित होने वाली है। ट्रंप की टैरिफ धमकी को देखते हुए भारत और यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा अनिश्चित वैश्विक आर्थिक स्थिति में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। 2024-25 में इसके 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। मुक्त व्यापार समझौते को लेकर मतभेदों के कारण 2013 में वार्ता रुक गई थी। जून 2022 में भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच आठ साल बाद बातचीत फिर से शुरू हुई। यूरोपीय संघ ऑटोमोबाइल में महत्वपूर्ण शुल्क कटौती की मांग के साथ वाइन, स्पिरिट्स में कर कटौती की मांग कर रहा है। अगर समझौता हो जाता है तो यूरोपीय संघ को भारतीय वस्तुओं का निर्यात जैसे सिले-सिलाए वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, इस्पात, पेट्रोलियम उत्पाद और विद्युत मशीनरी मिलने लगेंगे। जबकि भारत आईटी क्षेत्र के लिए डाटा सुरक्षा दर्जा भी चाहता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 137.41 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है, इसमें यूरोपीय संघ को निर्यात 75.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर और यूरोपीय संघ से आयात 61.48 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है। इस तरह से यह ब्लॉक नई दिल्ली का वस्तुओं के मामले में सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023 में सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 53 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भारतीय निर्यात और 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात शामिल है, जो सेवाओं में अब तक का सबसे अधिक व्यापार है। भारत में यूरोपीय संघ का निवेश 117 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है तथा लगभग 6,000 यूरोपीय कंपनियां भारत में मौजूद हैं। यूरोपीय संघ में भारत का निवेश लगभग 40 अरब डॉलर का है।

एएमयू कैंपस में ...

अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। जब एबीके यूनियन हाई स्कूल के पास छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट के बाद फायरिंग हो गई। छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट और फायरिंग के चलते एक छात्र की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। कैंपस में छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट और फायरिंग की सूचना पर तत्काल प्रॉक्टर टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। वहीं जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़े छात्र को इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल ले जाया गया। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस के एबीके यूनियन हाई स्कूल के पास छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट के बाद फायरिंग हो गई। फायरिंग के दौरान एक छात्र को गोली लगी, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसको देखते ही मृत घोषित कर दिया। छात्र को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के बाद मौके से फरार हुए आरोपी छात्रों की तलाश एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं। वहीं पुलिस कैंपस में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के मुताबिक, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कैंपस में दो छात्र गुटों के बीच हुई गोलीबारी को लेकर सिविल लाइन क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय अभय कुमार पांडे ने कहा कि थाना सिविल लाइन इलाके का एक प्रकरण उनकी संज्ञान में आया है, जहां थाना सिविल लाइन क्षेत्र स्थित अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के एबीके यूनियन हाई स्कूल जमालपुर रोड स्थित टूटी बाउंड्री के पास छात्रों के दो पक्षों मे आपसी विवाद के चलते मारपीट हो गई। जिसमें एक छात्र कैफ घायल हो गया। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल छात्र को इलाज के लिए जेएन मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां उसकी मौत हो गई। मामले के संबंध में पीड़ित परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

वोकल फॉर लोकल...

उन्होंने कहा कि दुनिया 21वीं सदी में भारत की ओर देख रही है और देश लगातार सकारात्मक खबरें पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब कई वैश्विक पहलों का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने हाल में एआई (कृत्रिम मेधा) शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी और जी-20 की भारत की अध्यक्षता का जिक्र किया। पीएम मोदी ने महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि इसने कार्यक्रमों का आयोजन करने के भारत के कौशल और नवोन्मेष को उजागर किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कई अप्रचलित कानूनों को निरस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के एक कानून के तहत 10 या उससे अधिक लोगों के नृत्य करने को अपराध माना गया था और यह कानून तब तक लागू रहा जब तक कि उनकी सरकार ने इसे निरस्त नहीं कर दिया। प्रधानमंत्री ने *लुटियन जमात* और *जनहित याचिका के ठेकेदार* पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे हर चीज के लिए अदालत जाते हैं, लेकिन ऐसे कानून पर चुप्पी साधे रहते हैं। उन्होंने कहा कि तब वे आजादी के बारे में नहीं सोचते थे।

सारथी शांति निवास ने अज्ञात किशोरी को बचाया

रंगिया (विभास)। रंगिया के सारथी शांति निवास द्वारा एक सराहनीय कदम उठाया गया है। इसबार ट्रस्ट द्वारा एक अज्ञात किशोरी को बचाकर फिर एकबार प्रशंसा का पात्र बना है। मिली जानकारी के अनुसार लगभग 12 साल की एक अज्ञात तथा मानसिक रूप से बीमार लड़की कुछ दिनों से पश्चिम रंगिया क्षेत्र में इधर-उधर घूम रही थी। इस बात की खबर मिलते ही सारथी शांति निवास के संचालक बिपुल कलिता ने तुरंत ही उसे बचाकर चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन की मदद से जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय को सौंप दिया और बाद में उसे आश्रय गृह में आश्रय दिया गया। वहीं सारथी शांति निवास के इस महान कदम की रंगिया के लोगों द्वारा भरपूर प्रशंसा की गई है।

कनेक्टिविटी का कायाकल्प

असम-भूटान नई रेलवे लाइन की घोषणा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री के *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* और *नेवरहुड फर्स्ट पॉलिसी* के विजन की दिशा में सक्रियता से अग्रसर भारतीय रेलवे पड़ोसी देशों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कई नए रेल परियोजनाओं को शुरू कर रही है। इस विजन के अनुरूप, असम को भूटान से जोड़ने के लिए कोकराझाड़ से गेलेफू तक एक नई रेलवे लाइन प्रस्तावित है, जिससे सीमा पार संपर्क में सुधार होगा और द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 25 फरवरी को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन के दौरान इस परियोजना की घोषणा की। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि प्रस्तावित 69.04 किमी रेलवे लाइन असम के कोकराझाड़ स्टेशन को भूटान के गेलेफू से जोड़ेगी, जिसकी अनुमानित लागत 3, 500 करोड़ रुपए है। इस परियोजना में छह नए स्टेशनों का विकास शामिल है, जो बालाजान, गरुभासा, रुनिखाता, शांतिपुर, डाडगिरी और गेलेफू है। इसके अतिरिक्त, अवसंरचना योजना में 2 महत्वपूर्ण पुल, 29 बड़े पुल, 65 छोटे पुल, 01 रोड ओवर ब्रिज, 39 रोड अंडर ब्रिज और 11 मीटर लंबाई के 02 वायडक्ट शामिल हैं। अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और इसके बाद अनुमोदन एवं आवश्यक निर्देशों के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) पेश की गई है। प्रस्तावित रेलवे लाइन व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा प्रदान कर उल्लेखनीय रूप से भारत-भूटान संबंधों को प्रगाढ़ करेगा। यह कनेक्टिविटी में सुधार कर भूटान को अपनी पहली रेलवे लिंक प्रदान करेगा, जिससे निर्बाध परिवहन की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यह रेलवे लाइन बोड़ोलैंड को एक ट्रेड और ट्रांसजिट हब के रूप में स्थापित करेगी, जिससे स्थानीय व्यवसायों और समुदायों को लाभ होगा। कुल मिलाकर, असम-भूटान रेलवे लाइन बोड़ोलैंड की अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी में बदलाव को तैयार है, जो दीर्घकालिक विकास और प्रगति के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

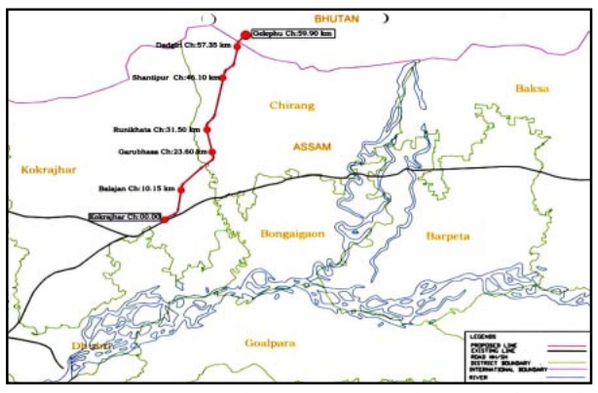

वाहन से दो करोड़ से अधिक का मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने सिलचर के सिलडूबी में एक वाहन से लगभग 2.2 करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ बरामद किया गया। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कछार पुलिस ने शनिवार को बताया है कि एक गुप्त सूचना के आधार पर विशेष अभियान चला कर जिले मुख्यालय शहर सिलचर के सिलडूबी में सिलकुरी रोड एक महिंद्र डीआई वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी के दौरान अंदर छुपाए गये लगभग 2.2 करोड़ मूल्य की 415 ग्राम हेरोइन और दो लाख नकद रुपए जब्त किए गए। पुलिस ने इस सिलसिले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। असम सरकार के मंत्री कौशिक राय ने बताया है कि इस अभियान की सफलता असम को नशा मुक्त बनाने में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के गतिशील नेतृत्व में राज्य पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस तरह की निर्णायक कार्रवाइयों से हम अपने युवाओं और समाज के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर रहे हैं। मंत्री राय ने अभियान चलाने वाली पूरी पुलिस टीम को उनके परिश्रम और समर्पण के लिए बधाई दी है।

2030 तक 10 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम सरकार इस वर्ष छह लाख करोड़ रुपए जीएसडीपी हासिल करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है और राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने 2030 तक 10 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य का अनुमान जताया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा कि असम बजट 2025 पर चर्चा के लिए शनिवार को एक विस्तृत बैठक की अध्यक्षता की गई।

बेलतला में हुई सनसनीखेज चोरी के आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बेलतला के सुंदरम अपार्टमेंट में हुई सनसनीखेज चोरी के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बेलतला के जयनगर इलाके में बीते 26 फरवरी को सुंदरम अपार्टमेंट में चोरी हुई थी। घर का मालिक बाहर था, तब चोरों ने एक लाख रुपए नकद, सोने के गहने और कीमती सामान लूट लिए थे। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि पुलिस जांच में दो कुख्यात चोर, हसन अली (29) और राशिदुल हक (26) का नाम सामने आया। खुफिया इनपुट पर पुलिस ने शुक्रवार देरात अभियान चलाकर दोनों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि चोरी का सामान जौहरी फजर अली (45) को बेचा गया था। पुलिस ने जौहरी को भी पकड़ लिया है। साथ ही चोरी गए सामानों को भी पुलिस ने बरामद कर लिया गया है। बरामद सामानों में 2.5 लाख रुपए नकद, सोने और चांदी के गहने (दो सोने की चेन, एक अंगूठी, 11 जोड़ी झुमके, एक जोड़ी चूड़ी, चांदी की एक चेन, तीन अंगूठी, दो बार, तीन ब्रेसलेट, एक जोड़ी रिंग, तीन लॉकेट), पीतल की छड़ें और पिघलाने के औजार, एक्टिवा स्कूटी (एएस- 01बीएक्स-1932), चोरी के दौरान पहने गए कपड़े तथा दो चोरी किए गए मोबाइल बरामद किए गए।

सम्मेलन की महिला शाखा ने चंग री धमाल का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा ने कुमारपाडा मे होली के उपलक्ष्य में चंग री धमाल नामक कार्यक्रम आयोजित किया। जिसका शुभारंभ शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण व होली की अग्रिम शुभकामना देकर किया। इस अवसर पर सभी सदस्योंओ का तिलक लगाकर व आकर्षक अंगूठी पहनाकर स्वागत किया गया। प्रज्ञा शर्मा के गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सलाहकार सरोज मित्तल ने सभी कार्यकारिणी सदस्योंओ को होली की उपाधि से विभूषित किया। खुशबू मोर, लीजी कुंडलिया, जया पारिक ने होली नृत्य की प्रस्तुति दी। संगीता पोद्दार ने होली के गीत गाकर सबको नचा दिया। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताये भी आयोजित की गई। जिनमें युगल जोड़ी, गींदड नृत्य, सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा, लाइव नृत्य आदि शामिल थी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रेखा दम्मानी ने प्रतियोगिताओ का निर्णय सुनाते हुए युगल जोड़ी में तेजवी अग्रवाल व अनीशा अग्रवाल की मां बेटी जोड़ी को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया गया। गींदड नृत्य में शारदा केड़िया को प्रथम, नीलम नागपुरिया को द्वितीय और राजश्री कुचेरिया को तृतीय पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा के लिए रश्मि जैन को प्रथम, जया पारिक को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। 45 वर्ष से नीचे नृत्य ग्रुप में पूनम शर्मा तथा 45 वर्ष के ऊपर नृत्य ग्रुप में संगीता पोद्दार को पुरस्कृत किया गया। लाइव डांस में प्रथम लीजी कुंडलियां, द्वितीय प्रज्ञा शर्मा, तृतीय खुशबू मोर को पुरस्कृत किया गया। शाखा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने बताया कि शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा और ज्योति शर्मा ने हास्य नाटिका प्रस्तुत कर सबको हंसा कर लोटपोट कर दिया। प्रज्ञा शर्मा ने भी हास्य गीत नृत्य प्रस्तुत कर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम संयोजिका रेखा गोयल, शोभना लड्ढा, राजश्री कुचेरिया, शांति कुंडलिया और ज्योति शर्मा ने सभी सदस्योंओ को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। शाखा सलाहकार सरोज मित्तल, इंदिरा जिंदल, शारदा केडिया, मंजू पाटनी, वंदना सोमानी को दुपट्टा पहना कर सम्मान किया गया।

बरपेटारोड में भयानक सड़क हादसा तीन युवकों की मौके पर मौत

बरपेटा (असम) (हिंस)। बरपेटारोड में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इन घटनाओं से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस द्वारा शनिवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हादसा बरपेटारोड के मिशन रोड पर बीती देर रात को हुआ, जहां अभि मोदक नामक युवक बाइक से नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे की दीवार से जा टकराया। इस दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद सौरभ मोदक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले बरपेटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में गुवाहाटी रेफर कर दिया गया। दूसरा हादसा जामतल चौक के पास भी बीती देर रात को राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुआ, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से बंगाईगांव जिले के आबादी इलाके के साहानुल अली (18) और मालेक उद्दीन (19) की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक एक डीलर से नई केटीएम बाइक खरीदकर बरपेटारोड से अपने घर लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटनाओं की सूचना मिलते ही बरपेटारोड पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए बरपेटा मेडिकल कॉलेज भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। इन दर्दनाक हादसों से पूरे बरपेटारोड में शोक का माहौल बना हुआ है।

कामरूप जिले में बाढ़ की तैयारियों पर समीक्षा बैठक

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की बाढ़ तैयारियों पर एक समीक्षा बैठक आज अमीनगांव में एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। आयुक्त ने कामरूप जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य विभागों जैसे समाज कल्याण, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण, सार्वजनिक निर्माण (सड़कें), शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी, जल संसाधन आदि द्वारा तैयार की गई योजनाओं की समीक्षा की। जिला आयुक्त ने सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी, जल संसाधन, पशुपालन और पशु चिकित्सा, एपीडीसीएल विभागों द्वारा स्वच्छ पेयजल के प्रावधान, अस्थायी शौचालयों की स्थापना, ब्लीचिंग पाउडर की आपूर्ति, बिजली कटौती और बाढ़ की स्थिति में उठाए जाने वाले आपातकालीन उपायों पर चर्चा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों की भी समीक्षा की कि ट्रांसफार्मर के कारण कोई दुर्घटना न हो और बाढ़ संभावित बांधों को मजबूत किया जाए। उन्होंने प्रत्येक राजस्व सर्कल अधिकारी को अपने संबंधित सर्कल के तहत सीवर, नालों और नदियों सहित प्राकृतिक जल निकायों पर अतिक्रमण की पहचान करने और ऐसे क्षेत्रों को साफ करने के लिए कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति के दौरान सभी संबंधित विभाग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चक्र अधिकारियों और क्षेत्रीय विकास अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर काम करें। बैठक में कामरूप जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिला परियोजना अधिकारी राजीव दत्त चौधरी ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि जिले में 11 राजस्व मंडलों के तहत पर्याप्त संख्या में आश्रयों की पहचान की गई है और राहत और बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैयार की गई हैं। बैठक में कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त सुजाता गोगोई और प्राणजीत कुमार देब, रंगिया के सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी, राजस्व मंडल अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

रंगिया में श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

रंगिया (विभास)। रंगिया में श्री श्याम परिवार द्वारा श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का चौथा भव्य आयोजन किया गया है। जोकि स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में एकदिवसीय कार्यक्रमों के साथ किया किया जाएगा। मंदिर प्रांगण में इसकी तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ 3 मार्च को बाबा श्याम की पालकी एवं विशाल निशान यात्रा के साथ दोपहर 3 बजे किया जाएगा। जोकि श्री हनुमान मंदिर प्रांगण मिल रोड से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होती हुई श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण, रंगिया बाजार पहुंचेगी। इसके पश्चात शाम 6.30 बजे बाबा श्री श्याम की आराधना एवं पूजा प्रारंभ, दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलन एवं छप्पन भोग और अमृत भंडारा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही शाम 7.15 बजे से प्रभु इच्छा तक आमंत्रित अतिथि कलाकारों द्वारा बाबा का गुणगान किया जाएगा। इस मौके पर श्री श्याम परिवार, रंगिया द्वारा सभी भक्तों की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन की कामना की गई है।

नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति के नवनिर्वाचित समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गुवाहाटी। महानगर के पलटन बाजार स्थित नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति के नवनिर्वाचित समिति का शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। सनद रहे कि नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति का निर्वाचन 9 फरवरी को संपन्न हुआ था। नेपाली मंदिर भानू अतिथि भवन में इस मौके पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव अधिकारी अखिल प्रकाश शर्मा ने किया। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गंगाधर पौडेल, उपाध्यक्ष चंद्र प्रसाद चॉपागाई (रामु), पिताबंर शर्मा, आशा देवी, मुख्य सचिव पदमलाल शर्मा रिजाल, कोषाध्यक्ष सागर उपाध्याय, सहायक सचिव केशव शर्मा(पांडे), गोविंद प्रसाद लम्साल(बाबु), बसंति देवी शर्मा, कार्यकारिणी सदस्यों में बाबु प्रसाद शर्मा, पूर्ण क्षेत्री(केशव), कृष्ण प्रसाद उपाध्याय, टिंकू पौड़ेल, मोहन शर्मा, नीता गुरुंग, विष्णु प्रसाद उपाध्याय, प्रकाश शर्मा (अर्याल), नारायण तिमसिना, विष्णु प्रकाश क्षेत्री, उत्तम कुमार शर्मा और नारायण शर्मा को शपथ पाठ कराया। इस सिलसिले में नवनिर्वाचित अध्यक्ष गंगाधर पौडेल ने कहा कि मेरी प्राथमिकता यहीं रहेगी कि किस तरह मंदिर को बेहतर बनाया जाए। हमें मंदिर के विकास के लिए सभी सदस्यों को एक टीम वर्क की तरह काम करना होगा। इसके आलावा आस पास के लोगों को लेकर भी हमें चलना होगा। तभी मंदिर का विकास होगा।

आईटीए सेंटर में मेपल बेयर कैनेडियन प्ले स्कूल का वार्षिक उत्सव

नन्हे मुन्नों बच्चों ने अपने नृत्य से बिखेरे जलवे

गुवाहाटी। महानगर के प्रागज्योतिष आईटीए सांस्कृतिक केंद्र शनिवार को मेपल बेयर कैनेडियन प्रीस्कूल की ओर से वर्ष 2024-25 के लिए अपना वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छोटे छोटे बच्चों ने अपने जलवों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन महानगर पुलिस के डीसीपी प्रोटोकॉल इफ्तिकार अली ने दीप प्रज्वलित कर वार्षिक दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर समाजसेविका श्रीमती कमला गोयल, प्रवीण गोयल, युवा महिला उद्यमी श्रीमती निधि प्रवीण गोयल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने स्वागत संबोधन में श्रीमती निधि परवीन गोयल ने कहा कि वार्षिक दिवस की थीम इस वर्ष *करेज* अर्थात हिम्मत रखी गई, ताकि छोटेबच्चे शुरू से ही साहसी बने ओर जीवन में आगे बढ़ने तथा कुछ कर गुजरने की हिम्मत व जनून उनमें गढ़ी जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य इन नन्हे मुन्ने बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करना हैं। वार्षिक उत्सव में 2 से 6 वर्ष तक की आयु वालों वाले बच्चों ने महाबहु ब्रह्मपुत्र, रानी लक्ष्मीबाई आदि के प्रति नृत्य के माध्यम से अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की। बच्चों में संस्कार व संस्कृति गढ़ने के उद्देश्य से धार्मिक नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति शामिल की गई, जिसे देख दर्शक दीर्घा में बैठे उनके अभिभावकों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का समापन क्लास सीनियर किंडरगार्टन के ग्रेजुएशन सेरेमनी के साथ हुआ जहां अभिभावक व शिक्षक भावुक नजर आए। इस दौरान अभिभावकों ने मेपल बियर द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्ट स्कूल प्रबंधन और शिक्षा के बारे में बात करते हुए अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास पर खुशी जाहिर की। मेपल बीयर अंतर्राष्ट्रीय प्री-स्कूल श्रृंखला का एक हिस्सा है, जो कनाडा की कार्यप्रणाली पर आधारित प्री-स्कूल और डे केयर सुविधा प्रदान करता है। साथ ही भारत सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 के साथ पूर्ण रूप से मेल खाता है। श्रीमती गोयल ने सभी बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन के सहयोग से पांचवा वार्षिक समारोह का शानदार आयोजन किया जा सका।

संपादकीय

शिवधाम परियोजना की आस्था

साझे सपनों की इबारत को जिंदा रखेंगे, तो हिमाचल का फर्ज, हिमाचल का कर्ज उतारेगा। जाहिर तौर पर मंडी शिवरात्रि महोत्सव में सरकार को सपनों का पुण्य कमाते भी देखा। यह पुण्य देवताओं का नजराना बढ़ाते हुए परंपराओं के संरक्षण की आरती उतारता है, तो शिवधाम जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजना का फर्ज भी उतारती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से जिस पल का इंतजार मंडी की जनता कर रही थी, उसके मायनों को शिवरात्रि ने गहना बनाया। अंततः शिवधाम निर्माण के किवाड़ खोलने के लिए सौ करोड़ की राशि का तिलक लगाया जा रहा है। यह परियोजना जाहिर तौर पर एक सपना था, भले ही इसे तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ने मंडी की जनता के साथ साझा किया था। ये परियोजनाएं किसी न किसी दौर की गवाह रहेंगी, लेकिन सरकारें अगर निरतंरता से आगे बढ़ती हैं, तो राज्य के संकल्प पूरे होंगे। सियासी वैमनस्य का कोई खिताब नहीं होता, लेकिन राज्य की सूरत में हर बदलाव एक पुरस्कार है। बेशक शिवधाम जैसी परियोजना में सुक्खू सरकार की आहुति पुण्य कमा रही है, लेकिन एक विवेचन यह भी होना चाहिए कि क्यों पिछली सरकारें सत्ता बदलते ही पूर्व की परियोजनाओं और योजनाओं की हजामत करने में जुटी रहीं। सत्ता की रोशनी में एक जगह में स्थापित कार्यालय दूसरे स्थान पर बदल दिए जाते हैं या इंसाफ की पटरियों का सफर रोक दिया जाता है। अगर पूर्व सरकारों के कार्यों का ऑडिट किया जाए, तो मालूम हो जाएगा कि कई अधूरी इमारतें और योजनाओं के सिरे किस तरह राजनीति के शिकार हो गए। सरकारों के अहम पद, क्षेत्रों की अहमियत में प्रदर्शित होते हैं, जबकि प्रदेश तो 68 विधानसभा क्षेत्रों को एक जैसे ढांचे में आने से बनता है। ऐसे में अगर मंडी की एक परियोजना के सियासी पिंजरे तोड़े जा रहे हैं, तो यही मेहरबानी केंद्रीय विश्वविद्यालय की तकसीम में जदरांगल परिसर पर भी होनी चाहिए। ऐसी बहुत सारी अर्जियां शिमला और दिल्ली सरकारों के बीच टकरा रही हैं। कमोबेश हर परियोजना की प्रस्तावना राज्य द्वारा लिखी जाती है, लेकिन वित्तीय पोषण का ख्याल केंद्र को रखना है। हिमाचल अगर आज प्रगतिशील राज्यों की कतार में टॉप टेन में है, तो यह तालमेल शिमला से दिल्ली को एकसाथ जोड़ता है। हम अगर कुछ कर पाए तो केंद्र ने खर्च का नब्बे प्रतिशत और राज्य ने दस फीसदी अदा किया, लेकिन अब शिकायतें इसलिए बढ़ रही हैं, क्योंकि दिल्ली पहाड़ी राज्य होने के मापदंडों से प्राथमिकता नहीं दे रहा। बहुत सी वित्तीय शर्तें और पैगाम ऐसे भी हैं जो संकीर्णता का दबाव बढ़ाने लगे हैं। स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं में वित्तीय पोषण में केंद्र ने अपनी भागीदारी 50 फीसदी कर ली या राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों की स्थापना में शर्तों का ताज कांटों भरा हो गया। खास तौर पर भू-अधिग्रहण की जिम्मेदारी से यह प्रदेश कुचला जा रहा है। रेलवे विस्तार परियोजनाओं में भू-अधिग्रहण का वर्तमान फार्मूला बदलना होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियन विकास बैंक परियोजनाओं में पैदा हो रही खींचतान को सार्थक निष्कर्ष तक लाना होगा। कुछ मंजूर परियोजनाओं में हो रहे बदलाव पर रोक इसलिए लगाई जा रही है, क्योंकि इसमें अतीत का वर्तमान से संघर्ष है। अगर पूर्व सरकार ने एक परियोजना को अमलीजामा पहनाने की कसरत में योगदान किया है, तो वर्तमान को चिन्हित राहों का सम्मान करना होगा या उसी को बेहतर अंजाम तक पहुंचाना होगा। करीब 1600 करोड़ के प्राजेक्ट इसलिए हवा में झूल रहे हैं क्योंकि एक पिछली सरकार की डीपीआर थी और अब उसी के अंदाज को बदला गया है। यह बहस राज्य का मालिक कौन में बदल गई, तो नुकसान भी राज्य का ही होगा। जाहिर है आगे कुछ करने के बजाय पीछे जहां तक हुआ, उसमें विरोधाभास की गठरी नजर आ रही है। इसमें समय और संदेह के कारण कई विराम आ सकते हैं। ये आर्थिक विराम हैं जो पुरानी फाइलों को नए मंतव्यों से लड़ता देख रहे हैं। अगर सरकार की न या किसी परिवर्तन में जिरह है, तो इस पर बहस या सहमति बनाने के लिए उसी की जिम्मेदारी है, वरना विकास के लक्ष्य उपेक्षाओं के खिलजी बने नजर आएंगे।

जाहिर तौर पर मंडी शिवरात्रि महोत्सव में सरकार को सपनों का पुण्य कमाते भी देखा। यह पुण्य देवताओं का नजराना बढ़ाते हुए परंपराओं के संरक्षण की आरती उतारता है, तो शिवधाम जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजना का फर्ज भी उतारती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से जिस पल का इंतजार मंडी की जनता कर रही थी, उसके मायनों को शिवरात्रि ने गहना बनाया। अंतत: शिवधाम निर्माण के किवाड़ खोलने के लिए सौ करोड़ की राशि का तिलक लगाया जा रहा है। यह परियोजना जाहिर तौर पर एक सपना था, भले ही इसे तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ने मंडी की जनता के साथ साझा किया था। ये परियोजनाएं किसी न किसी दौर की गवाह रहेंगी, लेकिन सरकारें अगर निरतंरता से आगे बढ़ती हैं, तो राज्य के संकल्प पूरे होंगे। सियासी वैमनस्य का कोई खिताब नहीं होता, लेकिन राज्य की सूरत में हर बदलाव एक पुरस्कार है। बेशक शिवधाम जैसी परियोजना में सुक्खू सरकार की आहुति पुण्य कमा रही है, लेकिन एक विवेचन यह भी होना चाहिए कि क्यों पिछली सरकारें सत्ता बदलते ही पूर्व की परियोजनाओं और योजनाओं की हजामत करने में जुटी रहीं। सत्ता की रोशनी में एक जगह में स्थापित कार्यालय दूसरे स्थान पर बदल दिए जाते हैं या इंसाफ की पटरियों का सफर रोक दिया जाता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस युद्ध को एक मिलिट्री ऑपरेशन बताते गए 72 घंटे में पूरे यूक्रेन पर कब्जा कर लेने का दवा किया था

चौथा साल चल रहा पर रूस जीता ना यूक्रेन हारा

राजेश जैन

रूस और यूक्रेन के हजारों नागरिकों और सैनिकों ने इस युद्ध में अपनी जान गंवाई है। दोनों की अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ा है। लगभग 1100 दिनों की इस जंग ने मानवता को न भरने वाले घाव और कड़वी यादें दी हैं। आज यहां हम चर्चा करेंगे कि युद्ध कैसे शुरू हुआ और इसके कारण दोनों देशों को क्या खोना पड़ा। यूक्रेन के सोवियत संघ से अलग होने के बाद से, रूस और पश्चिम देश, दोनों इस क्षेत्र में सत्ता संतुलन को अपने पक्ष में रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दरअसल यूक्रेन से सटा काला सागर रूस को कई भू-राजनीतिक फ़ायदे देता है।

करीब तीन साल पहले रूस की सेना ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस युद्ध को एक मिलिट्री ऑपरेशन बताते गए 72 घंटे में पूरे यूक्रेन पर कब्जा कर लेने का दवा किया था। लेकिन तीन साल पूरे होने के बाद अब चौथा साल चल रहा है। इसके बावजूद युद्ध में ना रूस जीता है और ना ही अभी तक यूक्रेन हारा है। सवाल यह नहीं है कि इस जंग में कौन सही कौन गलत? लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के बाद अब तक के सबसे बड़े और विनाशकारी युद्ध में दोनों देशों में भारी तबाही मची है। रूस और यूक्रेन के हजारों नागरिकों और सैनिकों ने इस युद्ध में अपनी जान गंवाई है। दोनों की अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ा है। लगभग 1100 दिनों की इस जंग ने मानवता को न भरने वाले घाव और कड़वी यादें दी हैं। आज यहां हम चर्चा करेंगे कि युद्ध कैसे शुरू हुआ और इसके कारण दोनों देशों को क्या खोना पड़ा। यूक्रेन के सोवियत संघ से अलग होने के बाद से, रूस और पश्चिम देश, दोनों इस क्षेत्र में सत्ता संतुलन को अपने पक्ष में रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दरअसल यूक्रेन से सटा काला सागर रूस को कई भू-राजनीतिक फ़ायदे देता है। पश्चिमी देशों और रूस के बीच यूक्रेन बफ़र ज़ोन है। ऐसे में पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी आंदोलनों को रूस का समर्थन मिला और 2014 में रूस ने क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन के समर्थन में उतर आए। रूस से सुरक्षा के लिए यूक्रेन नेटो का सदस्य बनना चाहता था। इसको लेकर विवाद बढ़ा तो फरवरी 2022 में, रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। कुल मिलकर रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने विश्व को एक नए युग की ओर धकेल दिया है, जहां शक्ति की लड़ाई और राजनीतिक हितों की टकराहट ने मानवता को खतरे में डाल दिया है।

हजारों मरे, लाखों बेघर, यूक्रेन के 18 फीसदी भूभाग पर रूस का कब्जा : इस आक्रमण के परिणाम स्वरूप, यूक्रेन के कई शहरों में व्यापक विनाश हुआ, हजारों ने जान गंवाई और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। 24 फरवरी 2022 को जंग की शुरुआत के बाद यूक्रेन की 11 फीसदी जमीन पर रूस ने कब्जा कर लिया है। लेकिन अगर साल 2014 से तुलना करें तो रूस यूक्रेन के 18 फीसदी भूभाग पर कब्जा कर चुका है। गत 8 दिसंबर को यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने एक टेलीग्राम पोस्ट में घोषणा की थी कि फरवरी 2022 में युद्ध की शुरुआत के बाद से युद्ध के मैदान में 46,000 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी मिशन के अनुसार 24 फरवरी 2022 के बाद से इस जंग में 12,654 से अधिक पुरुषों, महिलाओं, लड़कियों और लड़कों की हत्या हो चुकी है जबकि लगभग 30,000 लोग घायल हुए हैं। 84 प्रतिशत मौतें यूक्रेनी सरकार के नियंत्रण वाले क्षेत्र में हुई हैं। जंग से 42 हजार लोग प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के अनुसार यूक्रेन में अभी 20 लाख लोग बिना घर के रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी के 2024 के अंत तक के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप में 6.3 मिलियन से अधिक यूक्रेनी शरणार्थी रह रहे हैं, जिनमें जर्मनी मे लगभग 1.2 मिलियन, पोलैंड में लगभग 1 मिलियन और चेक गणराज्य में 390,000 शामिल हैं। जून 2024 तक संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम अनुमान के अनुसार, रूसी फेडरेशन में 1.2 मिलियन यूक्रेनी शरणार्थी रह रहे थे। अनुमान है कि 10 मिलियन से ज़्यादा यूक्रेनियन अभी भी विस्थापित हैं।

सुपर पावर के रूप में बनी रूस की प्रतिष्ठा को धक्का : इस जंग से सुपर पावर के रूप में बनी रूस की प्रतिष्ठा को भी काफी धक्का पहुंचा है । रूस में युवा जंग नहीं लड़ना चाहते हैं। जबरन भर्तियां करनी पड़ रही है और भाड़े के सैनिकों का सहारा लेना पड़ा रहा है। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट भी आई थी कि नौकरी करने के लिए रूस गए भारतीयों को ठगी के जरिये जंग लड़ने के लिए भेजा जा रहा है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि 2024 में युद्ध में 4,30,790 रूसी सैनिक मारे गए या घायल हुए जबकि रूसी मीडिया कम से कम 31,481 रूसी सैनिकों की मृत्यु की पुष्टि कर रहा है। अन्य स्वतंत्र एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार रूस की सेना के लिए लड़ने वाले 95,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इसमें वे लोग शामिल नहीं हैं जो स्वघोषित डोनबास गणराज्यों के मिलिशिया में लड़ते हुए मारे गए। उनकी संख्या 21,000 से 23,500 के बीच बताई जाती है।

दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को अरबों-खरबों डॉलर का नुकसान : रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे जंग की वजह से हुए आर्थिक नुकसान अरबों-खरबों में है। विश्व बैंक और यूक्रेन सरकार के अनुमान के अनुसार 2023 तक, यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को लगभग 150 अरब डॉलर (लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान होने का अनुमान था। 2024 के अंत तक यह आंकड़ा और बढ़ गया है, कुछ विशेषज्ञ पुनर्निर्माण लागत सहित इसे 400-500 अरब डॉलर तक आंकते हैं। 2022 में यूक्रेन की जीडीपी 35-40% तक सिकुड़ गई थी, और 2023-2024 में इसमें मामूली सुधार हुआ, लेकिन यह अभी भी युद्ध-पूर्व स्तर से बहुत नीचे है। रूसी बमबारी में ध्वस्त सड़कें, पुल, स्कूल, अस्पताल,और नष्ट बिजली प्लांट के पुनर्निर्माण के लिए अरबों डॉलर चाहिए। हालांकि रूस का नुकसान यूक्रेन जितना प्रत्यक्ष नहीं है पर उसको भी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ी है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के 2023 के एक अनुमान के अनुसार, रूस ने युद्ध में सेना, हथियार और लॉजिस्टिक्स पर 211 अरब डॉलर (लगभग 18 लाख करोड़ रुपये) खर्च किए थे। 2025 तक यह राशि 300 अरब डॉलर से ज़्यादा हो सकती है। पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों से रूस की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा। 2022 में उसकी जीडीपी 2-3% घट गई। नुकसानों को जोड़ा जाए, तो रूस-यूक्रेन युद्ध से अब तक 1-1.5 खरब डॉलर (लगभग 80-125 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो चुका है। यह राशि भारत के सालाना बजट से कम से कम दोगुना बैठती है।

दृष्टि कोण

नशा : सामाजिक-पारिवारिक जिम्मेदारी

जैसे चींटी चाट-चाट कर चीनी को चट कर जाती है, वैसे ही चिट्टा भी चाट-चाट कर समाज को चट कर रहा है। और उधर नशा करने वाले हैं कि मानते ही नहीं। लगता है जैसे वे अकबर इलाहाबादी के इस शे'र के मुरीद बन बैठे हैं- 'हंगामा है क्यूं बरपा थोड़ी सी जो पी ली है, डाका तो नहीं डाला चोरी तो नहीं की है।' वे नहीं मानना चाहते कि नशे की तलब ही ऐसी है कि आज का चुल्लू भर नशा कल भंवर बन कर उनका सब कुछ लील लेगा। खबरें खुलासा करती हैं कि हिमाचल में कोई तहसील कल्याण अधिकारी, कोई डॉक्टर, कोई वकील, कोई पुलिस, कोई पटवारी, कोई नेता, कोई इंजीनियर, कोई अध्यापक चिट्टे के कारोबार में संलिप्त हैं। न पुरुष बचा है, न महिला, न युवक बचा है, न युवती। तो फिर बचा कौन है? बचा कोई नहीं है। जब बचा कोई नहीं है, तो किस पर भरोसा करें, किस पर संदेह। किसे पकड़ें, किसे छोड़ें। नशे से ग्रस्त व त्रस्त समाज की जो स्थिति है वो फिल्म 'उड़ता पंजाब' के उस संवाद की याद दिलाती है जिसमें एक चाय वाला कहता है, 'अब चाय कौन पीता है। पड़े होंगे खंडहरों में नशेड़ी...।' जहां मां-बाप एक-एक पैसा जोड़ कर अपने बच्चों के भविष्य के सपने देखते हैं, वहीं नशे में डूबे हुए ये बच्चे नशे की एक-एक बूंद से, ड्रग्ज की एक-एक सांस से, खैनी या जर्दे की एक-एक चुटकी से उन सपनों को ध्वस्त करने में लगे हैं। सूरत-ए-हाल बयां करती है कि नशा समाज में बेइंतहा कालिमा और मातम पसार रहा है। नशे से जुड़ी घटनाओं की जो दृश्यावली हमारे सामने है, वो रौंगटे खड़े कर देती है। इस पस-मंजर में सईद कैस साहब का शे'र मौजूं जान पड़ता है- 'ये वाकिआ मिरी आंखों के सामने का है, शराब नाच रही थी गिलास बैठे रहे।' बात केवल चिट्टे की नहीं है, बल्कि समाज में व्याप्त हर मादक व्यस्न की है, जिससे गुजरते हुए नशेड़ी चिट्टे तक पहुंचता है। आज से 12 वर्ष पहले स्टार प्लस टीवी चैनल पर 'सत्यमेव जयते' कार्यक्रम में देश के महशूर बिजनेस पत्रकार विजय सिन्हा द्वारा दिए गए इंटरव्यू को जरूर देखिए। इसमें वे बताते हैं कैसे शराब की लत ने उन्हें बर्बाद कर दिया था और उनके पिता जी ने उन्हें खत में ये तक लिख दिया था, 'तुम्हें पुत्र के रूप में पाना एक अभिशाप है।' हालांकि वे बाद में आम जीवन में लौट आए, परंतु कम लोग ही नशे के गर्त से लौट पाते हैं। उनकी आप-बीती बताती है कि नशेड़ी क्या-क्या करता है और नशा उससे क्या-क्या करवाता है। आज हर माता-पिता की पहली चिंता यह है कि उनकी संतान कहीं नशे की शिकार न हो जाए। नशा माता-पिता, समाज, सरकार व कानून व्यवस्था के लिए शूल बना हुआ है। सवाल यह भी है कि आज इतनी भयावह स्थिति तक हम कैसे पहुंचे। यह कहना तो आसान है कि कानून या सरकार जिम्मेदार है, परंतु सनद रहे कि समाज के सहयोग के बगैर कोई भी बुराई न मिट सकती है, न पनप सकती है। यदि ठंडे दिमाग व गंभीरता से सोचा जाए, तो यह बात सामने आएगी कि नशे के लिए समाज व परिवार भी जिम्मेदार हैं। जब समाज किसी विकृति व व्यसन को आम समझ कर नजरअंदाज कर देता है या संरक्षण देता है, तो उस समाज का उस विकृति व व्यसन से त्रस्त-ग्रस्त होना अवश्यंभावी है। नशाखोरी के मामले में भी ऐसा ही हुआ और स्थिति आज सबके सामने है। अमूमन ऐसा होता है कि घर का बड़ा किसी बच्चे को बीड़ी-सिगरेट खरीदने दुकान भेजता है। इस प्रक्रिया में बच्चे के मन में इन धूम्रदंडिकाओं के चमत्कार के प्रति उत्कंठित होना स्वाभाविक है। और जब बीड़ी और सिगरेट के कश खींचता हुआ घर का कोई बड़ा बच्चे को बीड़ी-सिगरेट न पीने की नसीहत देता है, तो समझा जा सकता है कि बच्चा इनके कुप्रभाव को कैसे लेता है। धुआं उगलती इन दंडिकाओं के प्रति बच्चे के मन में उपजी उत्कंठा का शमन बहुतायत तब तक नहीं होता, जब तक वह खुद इन दंडिकाओं से दो-चार कश स्वयं नहीं खींच लेता। फिर यह कार्यक्रम नियमित तौर पर चल पड़ता है। दो-चार कश से पूरी दंडिका, दंडिका से पूरी डिबिया या बंडल का सिलसिला निकल पड़ता है। बीड़ी-सिगरेट से होते हुए सफर तंबाकू, खैनी, चरस और बोतल तक जाता है। बोतल से निकलकर सफर का अगला व सबसे नूतन पड़ाव चिट्टा आता है। शादियों या अन्य समारोहों में सार्वजनिक रूप से मदिरापान करने वालों की काफी आवभगत होती है। नशा न करने वालों को कुछ मिले न मिले, कोई बात नहीं, परंतु मदिरा पीने वालों के लिए बतौर-ए-खास मांस, चटपटा चना, सलाद, पकौड़ा इत्यादि परोसा जाता है। जाहिर है ऐसा दृश्य देख हमारे बच्चे नशे को अद्भुत चीज समझ कर इस ओर आकृष्ट हो जाते हैं। परिणामस्वरूप जिज्ञासावश लिया गया नशे का पहला घूंट बाद में लत में बदल जाता है। चिंता का विषय है कि ड्रग्ज का जहर महाविद्यालयों से होकर स्कूलों में पढ़ रहे मासूमों की रगों तक पहुंच रहा है।

कुछ अलग

नक्शे-कदम पर...

नेताजी ने जनसंपर्क अभियान चलाया और उनकी उपलब्धियों व कारनामों की डुगडुगी हर गांव, हर मोहल्ले में बजने लगी। नेताजी के चेले चांटे पब्लिक से नेता जी के नक्शे कदम पर चलकर एक खुशहाल समाज की परिकल्पना को साकार करने की अपील करने लगे। पब्लिक को अपील जच गई और मैं भी अपील का कायल हो गया। मैंने इस अपील को हाथों-हाथ लेते हुए नेताजी के नक्शे कदम पर चलने की ठान ली और पूरी तैयारी से मैदान में उतर गया। मैदान में उतरते ही मैंने अपनी शतरंज बिछा दी और सारे मोहरे फिट कर दिए। फिर चौसर पर गेम खेलना शुरू की। सबसे पहले नेताजी के अतीत का गहराई से अध्ययन किया। इस अध्ययन से प्रेरणा ली। फिर नेताजी के वर्तमान स्थिति तक पहुंचने का सूक्ष्म अध्ययन किया। कभी नेताजी के लंगोटिया यार रहे लोगों से संपर्क साधा। यानी नेताजी के नक्शे कदम पर चलने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार कर लिया। क्योंकि मैं बचपन से ही दूरदर्शी भी था, इसलिए मैंने सबसे पहले समान विचारधारा के कुछ लोग इक्ट्ठे किए। उन्हें भाषण दिए। उनके भीतर जोश भरा और मैं उन लोगों का सरगना बन गया। मैंने उन्हें सारे पाप और पुण्य कर्म एक साथ करने की शपथ दिलाई। सब ने शपथ ले ली। पहले हमने अवैध खनन के काम पर हाथ डाला। उस कमाई का हिस्सा बड़े अधिकारियों और बड़े लीडरों तक पहुंचाया। हमें उनका वरदहस्त मिला। हमारा काम चल निकला और हमने खुलेआम सारी नदियां और पहाड़ खोखले करने शुरू कर दिए। देखते ही देखते हम खनन किंग बन गए। इसके बाद हम शराब के कारोबार में कूद गए। हमने असली और नकली शराब के बीच का भेद खत्म कर दिया। यानी शराब के ऐसे-ऐसे मिश्रण तैयार किए कि लोगों को भी थोड़ा सस्ती शराब मिली और हमारे ऊपर भी लक्ष्मी मेहरबान हो गई। राजनीति में भी हमारा प्रभाव बराबर बढने लगा। बड़े-बड़े दिग्गज नेता हमें अपनी कार में बिठाकर सचिवालय तक ले जाने लगे और खुद कार का दरवाजा खोलने लगे। इससे पब्लिक और ब्यूरोक्रेसी में एक जबरदस्त मैसेज गया कि हमारा चारों तरफ डंका बजता है और सरकार हमारे मुट्ठी में है। इस मैसेज ने हमारी प्रतिष्ठा में चार चांद लगा दिए। हमने तबादले करवाने और रुकवाने के नाम पर भी सरेआम धन अर्जित करना शुरू किया। यह धन फिर हमने स्विस बैंकों में जमा करवाना शुरू कर दिया। राजधानी में अलग-अलग दलों के दिग्गज नेताओं को महंगे-महंगे गिफ्ट देना शुरू किए ताकि किसी एक दल से चुनाव में टिकट का जुगाड़ हो जाए। बड़े-बड़े दलों के दिग्गज नेताओं के करीबियों में हम शुमार हो गए। रात को हम किसी नेता की पार्टी में बुलाए जाने लगे और दिन को हम किसी दूसरे दल के नेता की पार्टी में शामिल होने लगे। यानी हमारी चारों उंगलियां घी में और सिर कड़ाही में तैरने लगा। अभी तक हम इसी काम में लगे हुए हैं और हमारे चेले-चांटे पब्लिक तक यह मैसेज पहुंचाने में लगे हैं कि अगर हम चुनाव जीत गए तो पब्लिक को स्वर्ग में रहने की फीलिंग मिलेगी और नरक को इस धरती से भगा दिया जाएगा। कोई बेरोजगार नहीं रहेगा। कोई भूखा नहीं सोएगा। हर महिला के बैंक अकाउंट में हर महीने की पहली तारीख को हमारी तरफ से पैसे आए करेंगे। हर बेरोजगार को गारंटी के साथ रोजगार मिलेगा। खनन माफिया, शराब माफिया और तबादला माफिया को जड़ से उखाड़ कर पब्लिक को राहत दिलाई जाएगी।

देश दुनीया से

भुखमरी-कुपोषण रोकने के उपाय

भारत विडंबनाओं से भरा देश है। इन्हीं में से एक है मोटापा और भुखमरी। इनमें एक जुड़ाव भी है। एक तरफ अनावश्यक और अत्यधिक खाने से बढने वाला मोटापे से होने वाली बीमारियां राष्ट्रव्यापी समस्या बनती जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ आबादी का एक बड़े हिस्सा दो वक्त का भरपेट भोजन नसीब नहीं होने से कुपोषित होकर रोगग्रस्त हो रहा है। यदि मोटापा खत्म या नियंत्रित हो जाए तो इससे भुखमरी व कुपोषण के लिए धन की कमी पूरी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात की 119वीं श्रृंखला में देश में बढ़ती मोटापे की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं और भारत में मोटापे की व्यापकता पर ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं। जैसे एक तरीका है कि खाने के तेल में 10 पर्सेंट की कमी करना। भोजन में खाद्य तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री ने देश के दस प्रसिद्ध लोगों को नॉमिनेट किया। मोटापा सिर्फ सेहत का मसला नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरा है। एक नई स्टडी के अनुसार भारत में मोटापे का आर्थिक बोझ 2030 तक बढक़र 6.7 लाख करोड़ रुपए प्रति वर्ष हो जाएगा। यह लगभग 4700 रुपए प्रति व्यक्ति होगा, जोकि जीडीपी का 1.57 फीसदी है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, 2019 में मोटापे का आर्थिक प्रभाव 2.4 लाख करोड़ रुपए था। यह लगभग 1800 रुपए प्रति व्यक्ति और जीडीपी का 1.02 फीसदी था। 2060 तक यह आंकड़ा बढक़र 69.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो प्रति व्यक्ति 44200 रुपए और जीडीपी का 2.5 फीसदी होगा। यह स्टडी बताती है कि मोटापा सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार पुरुषों और महिलाओं में क्रमशः 44 प्रतिशत और 41 प्रतिशत लोग अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। पिछले सर्वेक्षण में यह आंकड़ा क्रमशः 37.7 फीसदी और 36 फीसदी था। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व मोटापा महासंघ ने कहा कि भारत में दुनिया में मोटे व्यक्तियों का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिशत है। किसी व्यक्ति को तब मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है जब उसका बीएमआई 27.5 से अधिक हो। पिछले 10 वर्षों में, भारत की मोटापे की दर लगभग तीन गुनी हो गई है, जिसका असर देश की शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी पर पड़ रहा है। मोटापे का वैश्विक संकट सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में मोटापे की दर अधिक है, जो देश के तेज आर्थिक विस्तार और बदलती जीवन शैली मानकों के साथ मेल खाता है। भारत में 100 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। भारत में 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। केरल (65.4 प्रतिशत), तमिलनाडु (57.9 प्रतिशत), पंजाब (62.5 प्रतिशत) और दिल्ली (59 प्रतिशत) में यह दर बहुत ज्यादा है। मध्य प्रदेश (24.9 प्रतिशत) और झारखंड (23.9 प्रतिशत) में यह दर कम है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में पहले से ही 14.4 मिलियन बच्चे मोटे हैं। भारत में बचपन में मोटापे के प्राथमिक कारणों में खराब आहार विकल्प, निष्क्रियता और एक गतिहीन जीवन शैली शामिल है। प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बच्चे उच्च कैलोरी, कम पोषक तत्व वाले आहार खा रहे हैं, जिससे वजन बढ़ता है और मोटापा होता है। बचपन में मोटापे के परिणाम व्यापक हैं और लंबे समय में बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मोटे बच्चों को टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और सांस लेने में कठिनाई जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं होने का उच्च जोखिम होता है। इसके अतिरिक्त उन्हें निराशा और खराब आत्मसम्मान सहित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव होने की अधिक संभावना है, जो उनके सामान्य स्वास्थ्य को खराब कर सकता है। विडंबना यह है कि देश मोटापे से होने वाली चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं कुपोषण की समस्या से भी जूझ रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 में 127 देशों में भारत का स्थान 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में इस साल भारत की रैंक में सुधार हुआ है। लेकिन भारत अभी भी गंभीर भूख की समस्याओं वाले देशों में शामिल है। 2024 की रिपोर्ट में भारत का स्कोर 27.3 है जो भुखमरी के एक गंभीर स्तर को दर्शाता है। रिपोर्ट में हाल के वर्षों में भारत में कुपोषण के प्रसार में मामूली वृद्धि का उल्लेख किया गया है। भारत की रैंकिंग अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश से पीछे है, जबकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से केवल ऊपर है। श्रीलंका 56, नेपाल 68 और बांग्लादेश 84वें स्थान पर भारत से काफी आगे हैं। भारत में कुपोषण की जो स्थिति है वो किसी से छिपी नहीं है। यहां बहुतों को तो पेट भर खाना भी नहीं मिलता और जिनको मिल भी रहा है उनके भोजन में पोषण की भारी कमी है। इसका खामियाजा नन्हें बच्चों को उठाना पड़ रहा है। भारत को अभी भी बाल कुपोषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें विश्व स्तर पर बच्चों में दुबलापन (18.7 प्रतिशत) सबसे अधिक है। देश में बच्चों के बौनेपन की दर 35.5 प्रतिशत, पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 2.9 प्रतिशत और कुपोषण का प्रसार 13.7 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट में भारत में पोषण की स्थिति गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 31.7 फीसदी बच्चे स्टंटिंग का शिकार हैं। मतलब कि ये बच्चे अपनी उम्र के लिहाज से ठिगने हैं। यह रिपोर्ट 'लेवल्स एंड ट्रेंड इन चाइल्ड मालन्यूट्रिशन 2023' संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और वल्ड बैंक द्वारा संयुक्त रूप से जारी की गई थी। बाल कुपोषण एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है, जिसमें दुबलापन और बौनापन दोनों ही खतरनाक रूप से उच्च स्तर पर हैं। इंपीरियल कॉलेज लंदन द्वारा की गई इस रिसर्च के मुताबिक भारतीय किशोर, नीदरलैंड के समान आयु वर्ग के बच्चों की तुलना में 15.2 सेमी ठिगने हैं। इसी तरह यदि वेस्टिंग यानी ऊंचाई के लिहाज से वजन को देखें तो देश में भारत में पांच वर्ष या उससे कम आयु के 18.7 फीसदी बच्चों का वजन उनकी ऊंचाई के हिसाब से कम था। मतलब कि 2020 में इस आयु वर्ग के देश के करीब 2.2 करोड़ बच्चे वेस्टिंग का शिकार थे। मोटापे की समस्या से निपटना बहुत मुश्किल काम नहीं है।

आप का नजरीया

पाक पीएम का हास्यास्पद दावा

भारत पाकिस्तान के बीच क्या तुलना की जा सकती है? भारत अतुलनीय, ताकतवर, विकसित होता राष्ट्र है, जबकि पाकिस्तान को दुनिया के कई देश 'नाकाम देश' करार दे चुके हैं। फिर भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने छाती ठोंकते, कुछ उछलते, दावा किया है, मुल्क को भरोसा देने की कोशिश की है कि अगर रब ने चाहा, तो एक दिन पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे होगा! हम खूब मेहनत करेंगे, तो इंशाल्लाह हिंदुस्तान से आगे जरूर जाएंगे। पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम की यह गालबजाई हास्यास्पद है। भारत और पाकिस्तान एक साथ स्वतंत्र और संप्रभु देश बने थे, लेकिन आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और पाकिस्तान 45वें स्थान पर है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) फिलहाल 336 लाख करोड़ रुपए का है, जबकि पाकिस्तान की कुल अर्थव्यवस्था मात्र 32 लाख करोड़ रुपए की है। भारत की अर्थव्यवस्था 10 गुना अधिक है। पाकिस्तान भीख और दान पर जिंदा है। हाल ही में उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 60,000 करोड़ रुपए का उधार मांगा है। कर्ज भारत सरकार पर भी है, लेकिन हमारा प्रधानमंत्री देश-विदेश कर्ज की गुहार लगाता नहीं घूमता। पाकिस्तान कभी चीन, कभी सऊदी अरब या संयुक्त अरब अमीरात, तो कभी कतर आदि देशों से भीख मांगता रहा है। बदले में उसे मुल्क की जमीन-जायदाद पैसा देने वाले देशों को सौंपनी पड़ती है। वहां वे देश अपनी परियोजनाओं को विस्तार देते हैं। भारत और पाकिस्तान की तुलना किस आधार पर की जा सकती है? भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से भी ज्यादा रही है। बजट में 2025-26 की विकास दर भी 6 फीसदी से अधिक आंकी गई है, जबकि पाकिस्तान की विकास दर मात्र 2.38 फीसदी है। इसमें भी कितनी हकीकत है और कितना फसाना है? भारत सरकार अब भी 81 करोड़ से अधिक नागरिकों में प्रति माह मुफ्त अनाज बांट रही है, जबकि पाकिस्तान में आटे की एक बोरी के लिए भी मारा-मारी मची है। मुद्रास्फीति की दर असहनीय है। लोग अनाज और अन्य रोजमर्रा की चीजों के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगे रहते हैं, फिर भी असंख्य हाथ खाली रहते हैं। आजीविका मुश्किल है, तो आबोदाना भी नसीब से ही मिल रहा है। यह पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे बढ़ेगा? पाकिस्तान ने आईएमएफ से जितना उधार मांगा है, उतनी तो भारत सरकार खाद पर सबसिडी दे देती है। लोकसभा में पेश किए गए बजट में संघशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के लिए ही 41,000.07 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कितना भी उछलते रहें या छाती ठोंक लें, लेकिन हजारों साल तक पाकिस्तान भारत को पीछे नहीं कर सकता। उन्होंने यह दावा तब किया है, जब अमरीकी संसद में एक प्रस्ताव रखा गया है कि पाकिस्तान में जम्हूरियत (लोकतंत्र) ही नहीं है। वहां के सेना प्रमुख और आतंकियों में नापाक गठजोड़ है। हुकूमत असहाय है। अमरीकी संसद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर 'पाबंदी' लगाने तक की बात कही है। भारत के राजनयिक क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मंच पर पाकिस्तान को न केवल 'नाकाम देश' करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि ऐसे देश पर चर्चा करने में परिषद कीमती वक्त बर्बाद कर रही है।

सकल हिंदू समाज के आह्वान पर संपूर्ण बंद रहा अजमेर

हजारों महिला पुरुषों ने रैली निकाल कर दर्शाया आक्रोश

अजमेर (हिंस)। *सकल हिंदू समाज* के बैनर तले अजमेर शनिवार को बंद रहा। बंद का आह्वान सभी समाजों के प्रमुख एवं सभी व्यापारिक संगठनों ने किया था। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के प्रतिनिधियों का भी बंद को समर्थन था। अजमेर की सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह से जुड़े इलाकों में भी बंद का भरपूर असर दिखा। बहुत से समुदाय विशेष के लोग भी बंद के समर्थन में नजर आए। बंद का आयोजन ब्यावर जिले के बिजयनगर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग स्कूली छात्राओं को छद्म तरीके से प्रेमजाल में फंसाकर उनके साथ दुष्कर्म करने और ब्लैकमेल कर उन्हें मस्जिद में चलने, कलमा पढ़ने व बुर्का पहनने के लिए मजबूर करने के आरोपियों को सख्त सजा दिए जाने को लेकर पुलिस प्रशासन व राजस्थान सरकार पर सामाजिक दबाव बनाने के लिए किया गया था। सकल हिंदू समाज ने जिला कलक्टर लोक बंधु को मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा के नाम

बारह सूत्रीय मांग पत्र देकर इस मामले में पीड़िताओं के साथ न्याय करने तथा विकृत मानसिकता और जिहादी सोच के खिलाफ पुलिस का इकबाल बुलंद करने के लिए मामले की गहराई तक जांच करने की मांग की है। बता दें कि बिजयनगर के इस ब्लैकमेल कांड में अब तक समुदाय विशेष के 13 आरोपियों को पहचाना जा चुका है। इनमें 8 को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है, 3 नाबालिगों को किशोर सुधार गृह में रखा गया है वहीं एक आरोपी जो पूर्व पार्षद है उसे फिलहाल पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं एक आरोपी सांवरलाल जो कैफे संचालक है उसे पुलिस कर्नाटक से पकड़ कर अजमेर ला रही है। बंद को लेकर सकल हिंदू समाज के प्रतिनिधि सुनील दत्त जैन, निरंजन शर्मा ने एक दिन पूर्व ही भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रमेश सोनी, उप महापौर नीरज जैन सहित अन्य व्यापारिक संगठन से रमेश लालवानी, महेंद्र बंसल, दरगाह बाजार एसोसिएशन के दौलत लोगानी, कुमार लालवानी, कचहरी रोड के किशोर टेकवान, सरदार नरेंद्र पाल सिंह छाबड़ा, नाला बाजार से कृष्ण गोपाल जी ब्राह्मण समाज के प्रमुख अनिल भारद्वाज, वैश्य समाज के उमेश गर्ग, महिला प्रतिनिधियों में मनीषी इंदौरिया, दीपिका, भारतीय श्रीवास्तव, मनीषी इंदौरिया दीपिका, नीतू शर्मा, रतन भाभी, सीमा पाराशर, मंजू लालवान, अलका जी, सावित्री शर्मा, शशि इंदौरिया, संजय तिवारी, डॉ. नागपाल, कैलाश कच्छावा, संत कुमार माखुपुरा के राजेंद्र रावत चंद्रवरदाई से राजेश शर्मा विभिन्न कॉलोनियों एवं समितियां के अध्यक्ष ने नगर में रैली निकाल कर आमजन से समर्थन मांगा था। शनिवार को सुबह से बंद का समर्थन सभी जगहों पर देखने को मिला।

राजस्थान हाईकोर्ट : कार्मिक को एपीओ करने का कारण भी लिखित में बताना होगा जरूरी, अन्यथा आदेश होगा विधि विरुद्ध

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पदस्थापन की प्रतिक्षा (एपीओ) आदेश केवल राजस्थान सेवा नियमों में उल्लेखित आकस्मिक कारणों या समान कारणों में ही पारित किया जा सकेगा। कार्मिक को एपीओ करने का कारण भी लिखित में बताना होगा जरूरी, अन्यथा आदेश विधि विरुद्ध होगा। मामले में अधिवक्ता यशपाल हिलेरी ने याचिकाकर्ता डॉ. दिलीप सिंह चौधरी, डॉ. मांगीलाल सोनी, लक्ष्मीनारायन कुम्हार सहित अन्य की ओर से पैरवी की। राजस्थान हाइकोर्ट न्यायाधीश अरुण मोंगा की एकलपीठ से राहत मिली। भोपालगढ़, जिला जोधपुर के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी याचिकाकर्ता डॉ. दिलीप सिंह चौधरी की ओर से अधिवक्ता यशपाल हिलेरी ने रिट याचिका दायर कर बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 2015 से चिकित्सा अधिकारी पद पर नियुक्त होकर छह साल की आवश्यक संतोषजनक सेवा पूर्ण करने के बाद उसे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद पर नियुक्त करते हुए बीसीएमओ, भोपालगढ़ के पद पर नियमानुसार नियुक्त किया गया। लेकिन तीन साल की सेवावधि वाले जूनियर अयोग्य चिकित्सक को उक्त वरिष्ठ पद पर नियुक्त करने की एक मात्र मंशा से याचिकाकर्ता को आदेश दिनांक 19 फरवरी 2024 से एपीओ कर दिया गया, जिसे रिट याचिका दायर कर चुनौती दी गई। सभी समान एपीओ आदेशों को चुनोती वाली रिट याचिकाओ की प्रारंभिक सुनवाई पर हाइकोर्ट की एकलपीठ ने एपीओ आदेश पर अलग अलग स्थगन आदेश जारी करते हुए राज्य सरकार को जवाब तलब किया था। राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश कर जाहिर किया गया कि एपीओ आदेश प्रशासनिक आवश्यकता व जनहित को देखते हुए किया गया, जो राजस्थान सेवा नियम के नियम 25 क के अनुसार सही जारी किया गया है। सभी 56 रिट याचिकाओ की अंतिम सुनवाई करने के बाद और पूर्व न्यायिक निर्णयों डॉ. सुकुमार कश्यप बनाम राजस्थान राज्य और डॉ. महेश कुमार पंवार बनाम राजस्थान सरकार निर्णयों से सहमत होते हुए और राजस्थान सेवा नियम 1951 के प्रावधानों का विस्तृत विवेचन करते हुए राजस्थान हाइकोर्ट एकलपीठ ने समस्त एपीओ आदेशों को निरस्त करते हुए भविष्य में एपीओ आदेश जारी करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए, जिसमे एपीओ आदेश का उद्देश्य व औचित्य, एपीओ आदेश जारी करने की शर्तें, सीमाएं व प्रतिबंध, तथा प्रशासनिक जवाबदेही के संबंध आवश्यक निर्देश प्रतिपादित किए गए। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव को इस संबंध में प्रशासनिक निर्देश जारी करने को भी आदेशित किया ताकि भविष्य में एपीओ आदेश जारी करते समय इन दिशानिर्देशों की अक्षरश: पालना हो सकें। एकलपीठ ने एपीओ मामलों में यह महत्वपुर्ण व्यवस्था दी कि एपीओ आदेश को स्थानांतरण आदेश के विकल्प के रूप में जारी नहीं किया जा सकता है।

पंजाब पुलिस ने एक दिन में 290 नशा तस्कर किए गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार द्वारा *युद्ध नशे के विरुद्ध* छेड़ने के एक दिन बाद, पंजाब पुलिस ने शनिवार को राज्यभर में पहचाने गए ड्रग हॉटस्पॉट (नशों और साइकॉट्रोपिक पदार्थों की बिक्री वाली जगहों) पर व्यापक राज्यव्यापी घेराबंदी और तलाशी मुहिम (सीएएसओ) चलाई गई। इस ऑपरेशन दौरान 232 एफआईआर दर्ज करके 290 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी शनिवार को यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। चार घंटे चले इस ऑपरेशन के दौरान 8.14 किलोग्राम हेरोइन, 1.21 किलोग्राम अफीम, 3.5 किलोग्राम गांजा, 19 किलोग्राम भुक्की, 700 ग्राम चरस, 16, 238 नशीली गोलियां/कैप्सूल/टीके और 8.02 लाख रुपए की ड्रग मनी भी बरामद की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि यह घेराबंदी और तलाशी मुहिम सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाई गई और पंजाब पुलिस हेडक्वार्टर, चंडीगढ़ से स्पेशल डीजीपी/एडीजीपी/आईजीपी/डीआईजी रैंक के अधिकारी प्रत्येक पुलिस जिले में इस ऑपरेशन की निजी तौर पर निगरानी करने के लिए तैनात किए गए थे। स्पेशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला, जो एसएएस नगर के बलौंगी में सीनियर सुपरिंटेंडेंट

ऑफ पुलिस (एसएसपी) दीपक पारिक के साथ खुद नेतृत्व करने पहुंचे थे, ने कहा कि सीपीसी/एसएसपी को अपने-अपने जिलों में इस ऑपरेशन की योजना बनाने और ऐसे क्षेत्रों में छापेमारी करने के लिए कहा गया था। स्पेशल डीजीपी ने बताया कि 233 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 8368 से अधिक पुलिसकर्मियों की नफरी वाली 900 से अधिक पुलिस टीमों ने लगभग 369 ड्रग हॉटस्पॉट की तलाशी ली है और 798 क्षेत्रों में छापे मारे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने 2000 से अधिक संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की और 27 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की है, जबकि पांच भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी कार्रवाई दौरान गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब : तरनतारन में मकान की छत गिरने से पांच की मौत

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के तरनतारन में शुक्रवार की रात एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी तथा उनके तीन बच्चे शामिल हैं। ग्रामीणों को जब घटना का पता चला तो पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचित किया गया। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे शवों को शनिवार की सुबह बाहर निकाला। पंजाब में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। जिसके चलते तरनतारन के गांव पंडोरी गोला में बीती रात एक मकान की कच्ची छत गिर गई। हादसे के समय परिवार कमरे में सो रहा था। हादसे में घर के मालिक गुरविंदर सिंह, उसकी पत्नी अमरजीत कौर, बच्चे एकू व गुरलाल की मौत हो गई। एक अन्य बच्चे को गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डाक्टर ने उसे भी मृत घोषित कर दिया।

फुलेरा दोज पर शहर भर में 15 सौ से अधिक शादियां

जयपुर (हिंस)। फाल्गुन शुल्क द्वितीया शनिवार एक मार्च फुलेरा दोज के रूप में मनाई गई। फुलेरा दोज पर अबूझ मुहूर्त पर शनिवार को शादियों की धूम रही। शहर की सड़कों पर बैंड बाजे और बाराती नजर आए। शनिवार को शहर भर में करीब 15 सौ से अधिक शादियां हुई। अबूझ सावा में एकल विवाह के अलावा विभिन्न समाजों के सामुहिक विवाह सम्मेलन भी संपन्न हुए। बताया जा रहा है कि ये सर्दी के सीजन का आखिरी और सबसे बड़ा सावा है। इसके बाद से 6 मार्च से होलाष्टक लग जाएंगे। और 14 मार्च से मीन मलमास लगने से अब एक महीने बाद अप्रेल में ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। 15 सौ से अधिक शादियों के लिए मैरिज गार्डन, सामुदायिक केंद्र पहले से ही बुक फाल्गुन शुल्क द्वितीया, फुलेरा दोज पर अबूझ सावा स्वयं सिद्ध मुहूर्त का सबसे बड़ा सावा है। राजधानी के सभी मैरिज गार्डन, सामुदायिक केंद्र पहले से ही बुक हो चुके है। ऑल वेडिंग इंडस्ट्रीज फेडरेशन के महामंत्री भवानी शंकर माली ने जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर जिले में फुलेरा दोज के अबूझ सावों पर 3 हजार से अधिक शादियां हो रही हो रही है। जिसके चलते सभी होटल, रिसॉर्ट, बैंड बाजे,

घोड़ा लवाजमा करीब एक महीने पहले से ही बुक हो चुके है। इस बार इस अबूझ सावे में करीब 3 करोड़ रुपए का व्यापार होने का अनुमान जताया जा रहा है। फुलेरा दोज के अवसर पर एकल विवाह के साथ- साथ अलग-अलग जगहों पर सामूहिक विवाह के आयोजन भी संपन्न हुए। शनिवार को कई समाजों ने सामूहिक विवाह के आयोजन किए। शनिवार को रामसिंहपुरा सांगानेर एसडीएम कोर्ट के पास श्री कृष्ण यादव (अहीर) का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें समाज के गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजित समिति के ओमप्रकाश चित्तौस्या ने बताया कि फुलेरा दोज के पावन अवसर और अबूझ सावे को देखते हुए अहीर समाज के 65 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। अबूझ सावे पर शनिवार को सामूहिक विवाह आयोजन समिति गुर्जर समाज के तत्वावधान में दशहरा मैदान, आदर्श नगर में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 20 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ।

अजमेर दरगाह-हिंदू मंदिर वाद मामले में अगली सुनवाई 19 अप्रैल को

अजमेर (हिंस)। अजमेर की जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित न्यायाधीश मनमोहन चंदेल की अदालत ने अजमेर मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने के वाद में अगली तारीख 19 अप्रैल दी है। शनिवार 1 मार्च 25 को अदालत नहीं लगने के कारण बिना किसी सुनवाई के 19 अप्रैल 25 की तारीख तय की गई। गौरतलब है कि इससे पहले वादी पक्ष राष्ट्रीय हिंदू सेना के विष्णु गुप्ता की ओर से का जवाब दिया गया था। वहीं दूसरे पक्ष की ओर मामले में पक्षकार बनने के लिए पूर्व में लगी 6 अर्जियां के अलावा 5 नई अर्जियां भी दाखिल की गई थी। इस तरह मामले में अब तक पक्षकार बनने के लिए कुल 11 अर्जियां कोर्ट में पेश हो चुकी हैं, लेकिन इन सभी अर्जियों पर जवाब देने के लिए वादी विष्णु गुप्ता के अधिवक्ता ने समय मांगा था। इसी के साथ दरगाह कमेटी के द्वारा पूर्व तारीख पर लगाई गई अर्जी पर जिसमें, अर्जी के जरिए वाद को ही खारिज करने की बात कही गई थी जिस पर वादी विष्णु गुप्ता ने जवाब पेश किया। दरगाह कमेटी व अन्य ने जवाब को पढ़ने के लिए अदालत से समय मांगा था। अदालत ने मामले में तब अगली सुनवाई 1 मार्च 25 को किया जाना तय किया था किंतु 1 मार्च को ब्यावर जिले के बिजयनगर पुलिस थाना क्षेत्र में स्कूली नाबालिग छात्राओं के साथ समुदाय विशेष के युवकों द्वारा देहशोषण, दुष्कर्म करने तथा ब्लैकमेल कर उनका धर्मांतरण कराए जाने के घटना को लेकर अजमेर व ब्यावर सहित समूचे राजस्थान में आक्रोश व्यापत हो गया उसी के क्रम में 1 मार्च को अजमेर सकल हिंदू समाज ने संपूर्ण जिला बंद का आह्वान किया था उसी के परिणाम स्वरूप अजमेर जिला बार एसोसिएशन व राजस्थान राजस्व बार एसोसिएशन अजमेर ने भी बंद का समर्थन व्यक्त किया था। लिहाजा कोर्ट नहीं लगने से मामले में 19 अप्रैल की तारीख तय की गई।

कोलकाता में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यक्रम में प्रवासी संवाद

जयपुर (हिंस)। कोलकाता के हिंदुस्तान क्लब में 1 मार्च 2025 को अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राजस्थानी साहित्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें आयुक्त, राजस्थान फाउंडेशन डॉ. मनीषा अरोड़ा ने प्रवासी राजस्थानियों को संबोधित किया। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा इस कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी समुदाय को एक मंच पर एकत्र किया गया, जहां प्रवासियों द्वारा अपने अनुभव साझा करते हुए राजस्थान के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी के नए अवसरों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. मनीषा अरोड़ा ने राज्य सरकार द्वारा प्रवासियों के लिए हाल ही में कई गई नई घोषणाओं के बारे में बताया जिसमें प्रवासी राजस्थानियों के हितों की रक्षा के लिए एक नया विभाग, प्रवासी राजस्थानी सम्मान अवॉर्ड्स, प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासियों के मुद्दों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करना प्रमुख हैं। डॉ. अरोड़ा ने रिप्स 2024 (निवेश प्रोत्साहन नीति 2024) के प्रावधानों, राजनिवेश पोर्टल के माध्यम से राइजिंग राजस्थान समिट के एमओयू की रियल टाइम जानकारी प्राप्त करने की सुविधा के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में श्रीगंगानगर, राजस्थान के साहित्यकार डॉ. मंगत बादल को सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान एवं लूणकरणसर के बाल साहित्यकार रामजी लाल घोड़ेला को केदारनाथ-भागीरथीदेवी कानोडिया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया, समाजसेवी गोविंद सारडा, अखिल भारतीय मारवाड़ी फेडरेशन के पदाधिकारी, सदस्य एवं अन्य प्रबुद्ध प्रवासी राजस्थानियों की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक सार्थक बनाया। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन प्रवासी मारवाड़ी समुदाय की एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था है जिसकी देश के 24 राज्यों में लगभग 400 से अधिक शाखाएं और 60000 से अधिक सदस्य हैं। यह संस्था सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक उन्नति के उद्देश्यों, कन्या शिक्षा, नारी उत्थान जैसे सामाजिक सुधारों एवं मारवाड़ी भाषा के प्रचार-प्रसार में लगातार सक्रिय है। आयुक्त राजस्थान फाउंडेशन ने कोलकत्ता में अंबुजा नेवटिया ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन नेवटिया से मुलाक़ात कर राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के बारे में बताया और शेखावटी में उनके पैतृक गांव में सामाजिक सरोकार के कार्य करने के लिए आह्वान किया।

नालंदा में मध्याह्न भोजन खानें के बाद अस्सी बच्चे बीमार, दो छात्र गंभीर

नालंदा (हिंस)। नालंदा जिलांतर्गत हरनौत प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय श्रीचंदपुर में शनिवार की दोपहर मध्याह्न भोजन के दौरान खाना खाने के बाद अस्सी बच्चे बीमार हो गए, जिसे ईलाज के लिए सदर अस्पताल कल्याण विगहा में भर्ती कराया गया है। बीमार बच्चों में से दो छात्र की हालात गंभीर बताई जा रही है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि शनिवार की दोपहर में बच्चों को एमडीएम के तहत मेनु के अनुसार खाना दिया गया। बच्चे जब खाना खाकर उठे तो पेट दर्द से विद्यालय परिसर में ही लोटने लगे। स्थिति की भयावहता को देखते हुए शिक्षक ने एंबुलेंस बुलाकर सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दो बच्चे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी हरनौत धाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर जाकर मामले की छानबीन में जुट गई है। विद्यालय के एमडीएम प्रभारी शंकर कुमार ने बताया कि श्रीचंदपुर प्राथमिक विद्यालय में एक सौ वेरानवे बच्चे नामांकित हैं जिसमे नब्बे बच्चे विद्यालय में उपस्थित हुए थे। मध्याह्न भोजन में किसकी लापरवाही से यह हादसा हुआ जिसकी जांच की जा रही है किसी भी हाल में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की सूचना पाते ही जिला मुख्यालय से भी प्रशासनिक अधिकारी विद्यालय पहुंचकर घटना की जांच में जुट गए है।

वैश्विक पटल पर भीड़ प्रबंधन का उत्कृष्ट मॉडल बना महाकुंभ 2025

प्रयागराज (हिंस)। संगमनगरी में आयोजित महाकुंभ ने न केवल सनातन धर्म की आध्यात्मिक महिमा को प्रदर्शित किया, बल्कि भीड़ प्रबंधन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। इस मेले में औसतन प्रतिदिन 1.5 से पौने 2 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया और बिना किसी अवरोध के अपने गंतव्य को लौटे। इतनी विशाल संख्या में लोगों का प्रबंधन करना अपने आप में एक चुनौती थी, जिसे शासन और प्रशासन ने अपनी सूझ बूझ से एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि, 45 दिन तक चले इस महाआयोजन में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने भागीदारी की। यह संख्या भारत की कुल आबादी की लगभग आधी है। यही नहीं, इन 45 दिनों में महाकुंभ नगर भारत और चीन के बाद तीसरी सबसे ज्यादा आबादी वाला क्षेत्र बन गया। महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई थी। आने और जाने के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए, जिससे भीड़ का प्रवाह सुचारु रहा। कंट्रोल रूम से 24म7 निगरानी सुनिश्चित की गई, ताकि किसी भी स्थिति में किसी एक जगह ज्यादा भीड़ एकत्रित होने पर त्वरित कार्रवाई हो सके। इसके अतिरिक्त विभिन्न दिशाओं से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। यह प्रबंधन न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चर्चा का विषय बना। वैश्विक स्तर पर भीड़ प्रबंधन के कुछ अन्य उदाहरण भी उल्लेखनीय हैं। सऊदी अरब में हज के दौरान हर साल लाखों मुस्लिम मक्का पहुंचते हैं। वहां डिजिटल तकनीक और मार्ग नियोजन से भीड़ को नियंत्रित किया जाता है। इसी तरह, ब्राजील के कार्निवल में भी लाखों लोग शामिल होते हैं, जहां पुलिस और प्रशासनिक समन्वय से व्यवस्था बनाए रखी जाती है। हालांकि, महाकुंभ की विशालता और इसकी जटिलता इसे अद्वितीय बनाती है। हज और कार्निवल में जहां अधिकतम 20 से 25 लाख लोगों का प्रबंधन किया जाता है तो वहीं महाकुंभ में प्रतिदिन 1 से 1.5 करोड़ श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। मौनी अमावस्या पर यह सर्वाधिक 8 करोड़ तक पहुंच गई। 45 दिनों में दो बार यह 5 करोड़ या इससे अधिक, तीन बार 3.5 करोड़ या इससे अधिक, 5 बार 2 करोड़ से अधिक और कुल 30 बार एक करोड़ या इससे अधिक रही। इसकी तुलना दुनिया में किसी आयोजन से नहीं हो सकती। महाकुंभ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों, ड्रोन और होल्डिंग एरिया जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग भी किया गया। यह आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि भीड़ प्रबंधन के क्षेत्र में एक वैश्विक मानक स्थापित कर गया। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन की यह सफलता भविष्य के बड़े आयोजनों के लिए प्रेरणा बनेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश ने सक्षमता परीक्षा-2 में उत्तीर्ण 59 हजार 28 विशिष्ट शिक्षिकों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित *संवाद* में आज 59 हजार 28 विशिष्ट शिक्षिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इसके अंतर्गत 55 हजार 845 प्रारंभिक शिक्षक, 2532 माध्यमिक शिक्षक तथा 651 उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने नीलम कुमारी, रुस्तम अली, नीलू राय, अच्युत कुमार तथा दीपक कुमार तिवारी को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि जब हम लोगों को यहां काम करने का मौका मिला तो शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी के लिए कई कदम उठाए गए। शिक्षकों की अत्यधिक कमी होने के कारण वर्ष 2006-07 से पंचायत एवं नगर निकायों के माध्यम से बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गई जिनकी कुल संख्या लगभग 03 लाख 68 हजार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 के बाद से सरकारी शिक्षकों की बहाली के लिए बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा ली गई जिसमें 28 हजार नियोजित शिक्षक भी परीक्षा उत्तीर्ण कर सरकारी शिक्षक बने। हमने तय किया कि नियोजित शिक्षकों के लिए अलग

से परीक्षा ली जाएगी और उन्हें इसके लिए 5 अवसर दिए जाएंगे। एक लाख 87 हजार 818 नियोजित शिक्षक प्रथम सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए तथा 66 हजार 143 नियोजित शिक्षक दूसरी सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है। आज यहां 100 विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है, शेष लोगों को जिलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सक्षमता परीक्षा-दो में कुल 2 लाख 53 हजार 961 नियोजित शिक्षक उत्तीर्ण हुए जिनकी सरकारी शिक्षक के रूप में बहाली हो गई है। अब मात्र 86 हजार नियोजित शिक्षक बचे हुए हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण कर जल्द ही सरकारी शिक्षक के रूप में बहाल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग से 2 लाख 17 हजार 272 सरकारी शिक्षक के रूप में परीक्षा पास कर बहाल हुए है तथा 02 लाख 53 हजार 961 नियोजित शिक्षक से सरकारी शिक्षक बने हैं यानि कुल 04 लाख 71 हजार 233 सरकारी शिक्षक बने। हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा हुई परीक्षा में 66 हजार 800 शिक्षक तथा 42 हजार 918 हेडमास्टर परीक्षा उत्तीर्ण हुए हैं, जिन्हें जल्द ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी शिक्षकों की कुल संख्या 5 लाख 80 हजार 951 हो गई है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने शुरू से ही सभी वर्गों चाहे हिंदू हों, मुसलमान हों, अगड़ा हों, पिछड़ा हों, अति पिछड़ा हों, दलित हों, महादलित हों उनके उत्थान के लिए कार्य किया है। महिलाओं के उत्थान के लिए भी कई कार्य किए गए हैं। सभी क्षेत्रों में महिलाएं आगे आ रही हैं। शिक्षक के रूप में बड़ी संख्या में महिलाएं बहाल हुई हैं। आज सभी शिक्षकों से मैं कहना चाहता हूं कि वे अच्छे से बच्चों को पढ़ाएं और उनका विकास करें। मैं शिक्षा मंत्री से भी कहना चाहता हूं कि वे शिक्षण कार्य पर निरंतर निगरानी रखें। सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ें। बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं हो, इसपर सबलोग विशेष ध्यान रखें। आज के इस अवसर पर आप सभी लोगों को फिर से बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

देशभर में न्यू डिजायर को मिल रहा बेहतर रिस्पांस

नई दिल्ली

देश भर में न्यू डिजायर कार को बेहतर रिस्पांस मिल रहा है। साल 2025 का जनवरी महीना सेडान कार सेगमेंट के लिए उतना अच्छा नहीं रहा, जितना हैचबैक और एसयूवी सेगमेंट के लिए रहा, लेकिन नई होंडा अमेज और स्कोडा स्लाविया के साथ ही मारुति सुजुकी सि जैसी गाड़ियों ने सेडान सेगमेंट को जिंदा रखा।

हालांकि, सेगमेंट में टॉप पोजिशन पर हमेशा की तरह मारुति सुजुकी डिजायर रही। ऑल न्यू डिजायर लॉन्चिंग के बाद से ही भारतीयों को दीवाना बना रही है और इसकी 5 स्टार सेफ्टी पर ग्राहक दिल लुटा रहे हैं। हालांकि, सालाना रूप से डिजायर की बिक्री में बीते जनवरी में 8 फीसदी की गिरावट देखी गई और इसे 15,383 ग्राहकों ने खरीदा।

बीते जनवरी 2025 की टॉप 10 सेडान कारों की बिक्री के आंकड़े देखें तो मारुति सुजुकी डिजायर की बादशाहत के बाद हुंडई ऑरा दूसरे स्थान पर रही और इसे 5388 ग्राहकों ने खरीदा। ऑरा की बिक्री में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। तीसरे स्थान पर रही नई होंडा अमेज की बिक्री में करीब 21 फीसदी की तेजी बीते महीने दिखी है।

चौथे स्थान पर रही फॉक्सवैगन वर्टस की बिक्री में करीब साढ़े चार फीसदी की कमी सालाना रूप से दिखी है। 5वें स्थान पर स्कोडा स्लाविया रही और इसकी बिक्री में 21 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी सालाना तौर पर दिखी है।

होंडा सिटी की बिक्री में 34 फीसदी और 10वें स्थान पर रही टोयोटा कैम्री की बिक्री में करीब 37 फीसदी की गिरावट सालाना रूप से पिछले महीने दिखी है। आइए, अब आपको जनवरी 2025 की टॉप 10 सेडान कारों की सेल्स रिपोर्ट आंकड़ों के माध्यम से बताते हैं।

बीते जनवरी में टाटा टिगोर के पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मॉडल की कुल मिलाकर 1484 यूनिट बिकी और यह करीब 4 फीसदी की सालाना गिरावट के साथ है। इसकते बाद हुंडई वरना की बिक्री में 32 फीसदी की गिरावट आई है। इन सबके बीच मारुति सुजुकी सि की बिक्री बीते महीने सालाना तौर पर 111 फीसदी बढ़ गई।

न्यूज ब्रीफ

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर छह रुपये हुआ महंगा

नई दिल्ली। होली से पहले महंगाई का झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 6 रुपये का इजाफा किया है। हालांकि, 14 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक. नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम 6 रुपये बढ़कर 1803 रुपये हो गया है, जो पहले 1797 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में इसका भाव 6 रुपये बढ़कर 1913 रुपये हो गया है, जो पहले 1907 रुपये में बिक रहा था। मुंबई में इसकी कीमत 5.50 रुपये बढ़कर 1755.50 रुपये हो गई है, जो 1749 रुपये में मिल रहा था। इसके अलावा चेन्नई में यह सिलेंडर 1965 रुपये में बिक रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं विपणन कंपनियों ने 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 803 रुपये प्रति सिलेंडर है। कोलकाता में इसका दाम 829 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये है। चेन्नई में इसकी कीमत 818.50 रुपये प्रति सिलेंडर है।

भारतीय उद्योग जगत में स्टार्टअप कर रहे धमाल

नई दिल्ली । हाल ही में लंबे समय तक रकम की कमी और यूनिकॉर्न की संख्या में कमी के बावजूद, भारतीय उद्योग जगत स्टार्टअप की वृद्धि के को लेकर दृढ़ भाव निहित है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मैजिकपिन के सीईओ ने कहा कि पूंजी अपना रास्ता मूल्य सृजन की दिशा में खोज लेती है। इसमें झटके और कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, लेकिन भारत में स्टार्टअप के नजरिए से हम स्वर्णिम युग में हैं। प्रौद्योगिकी के लिए जिस तरह की स्वीकृति और चाह है, साथ ही ऑपरेटरों और टीमों के भीतर समाधान तैयार करने की जो क्षमताएं हैं, वे अभूतपूर्व है। पूंजी रिटर्न की तलाश में है। यही वजह है कि भारत में मल्टीपल इस तरह का है। एक मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के अनुसार 2025 में फरवरी तक इक्विटी फंडिंग के 235 दौर में 1.33 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं। पिछले साल इसी अवधि में देश में 497 दौर में 2.46 अरब डॉलर जुटाए गए थे। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्नैपडील के सीईओ ने कहा कि कंपनियों की वृद्धि का सही मापदंड यूनिकॉर्न नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह सही संदर्भ नहीं है।

माइक्रोसॉफ्ट ने स्काइप सेवा को बंद करने का किया ऐलान

न्यूयॉर्क। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने स्काइप वीडियो कॉलिंग सेवा को बंद करने का फैसला लिया है। इस सेवा को उसने 2011 में 8.5 अरब डॉलर में खरीदा था। मई में स्काइप की सेवा बंद हो जाएगी और उसकी कुछ सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पर स्थानांतरित की जाएंगी। माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि स्काइप उपयोगकर्ता टीम्स में अपने खाते से लॉग इन कर सकेंगे। वर्षों से स्काइप को टीम्स की तुलना में प्राथमिकता दी गई थी। स्काइप ने उपयोगकर्ताओं के लिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग के लिए एक सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान किया था। यह आगंतुकों की जरूरतों को समझते हुए उन्हें ऑनलाइन संचार के लिए एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प प्रदान करता था। स्काइप के बंद होने का निर्णय तकनीकी दिग्गज की अपने मुख्य संचार एप्लीकेशन को सुव्यवस्थित करने की इच्छा को दर्शाता है और उसकी साथी प्रोडक्ट्स, जैसे कि टीम्स, को उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी। इप 003 में स्थापित हुई थी और वीओआईपी तकनीक पर निर्भर थी, जो ऑडियो को ऑनलाइन प्रसारित डिजिटल सिग्नल में परिवर्तित करता है। इससे पहले ईबे द्वारा 2005 में खरीदी गई थी।

टेस्ला सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क पर दे रही है जोर

नई दिल्ली

बीते दिनों खबर आई कि अमेरिका के मशहूर उदयोग पति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में हायरिंग शुरू की है। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि कंपनी सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क पर जोर दे रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला भारत में जोर-शोर से लोगों को नौकरी पर रख रही है। यह कंपनी की भारत में अपनी जगह पक्की करने की रणनीति का हिस्सा है।

टेस्ला ने मुंबई और पुणे में 15 लोगों की नियुक्ति की है। इससे पता चलता है कि कंपनी एक मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। ग्लोबल डेटा की रिपोर्ट बताती है कि टेस्ला भारत के ईवी मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। भारत में भर्तियां शुरू करना इसी बात का संकेत है। टेस्ला चार्जिंग, इंजीनियरिंग, आईटी, वीइकल सर्विस, सेल्स, कस्टमर सपोर्ट और दूसरे सेक्टर में लोगों को नौकरी पर रख रही है। लंबे समय से सुनने को मिल रहा है कि टेस्ला कारें जल्द ही भारत में लॉन्च होंगी, लेकिन बीते दिनों से जिस तरह से इस मामले में डेवलपमेंट सामने आए हैं, इससे पता चलता है कि इस बार टेस्ला कुछ ज्यादा ही सीरियस है और अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी और टेस्ला के मालिक एलन मस्क की मुलाकात का असर हुआ है। बता दें कि टेस्ला कस्टमर सर्विस पर भी खास ध्यान दे रही है। कंपनी सर्विस एडवाइजर और पार्ट्स एडवाइजर की नियुक्ति कर रही है। ये लोग ग्राहकों की समस्याएं सुनेंगे, गाड़ियों की सर्विसिंग का ध्यान रखेंगे और ग्राहकों को अच्छा अनुभव देंगे। मतलब साफ है कि टेस्ला भारतीय ग्राहकों के सामने ऐसी इमेज बनाने की तैयारी में है कि उसकी कार खरीदने पर आफ्टर सेल्स सर्विस का पूरा ध्यान रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स में टेस्ला के नए शोरूम खोलने की भी चर्चा है। यह भी कंपनी की भारत में पैर जमाने की रणनीति का हिस्सा है। यहां बता दें कि टेस्ला इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। कंपनी अपनी बेहतरीन तकनीक और डिजाइन के लिए जानी जाती है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और टेस्ला इस बढ़ते बाजार का फायदा उठाना चाहती है। कंपनी की योजना भारत में अपनी कारें बनाना और बेचना है।

एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बिकी

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्टाइलिश और दमदार एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बेचने का कारनामा कर दिखाया है। यह उपलब्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एलिवेट की शानदार पॉपुलैरिटी दिखाती है। एलिवेट की मौजूदा एक्स शोरूम प्राइस 11.69 लाख रुपये से शुरू होकर 16.73 लाख रुपये तक जाती है। बता दें कि होंडा एलिवेट को भारतीय बाजार में सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था और तब से अब तक एलिवेट ने भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मेड इन इंडिया एसयूवी के रूप में होंडा एलिवेट का उत्पादन राजस्थान के तापुकारा प्लांट में किया जाता है। एलिवेट जापान में एक्सपोर्ट की जाने वाली पहली मेड इन इंडिया होंडा कार है। होंडा एलिवेट की इंडिया और ग्लोबल सेल्स के बारे में बताएं तो जनवरी 2025 तक कंपनी ने भारत में 53,326 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि 47,653 यूनिट्स विदेशी बाजार में एक्सपोर्ट की गईं। विदेशी बाजारों में जापान, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल और भूटान जैसे देश हैं, जहां होंडा की कारें ज्यादा पॉपुलर हैं।

कॉमेट ब्लैक्सॉर्म एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली

कार बनाने वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ब्लैक्सॉर्म एडिशन को लॉन्च किया है। आप इसे 11,000 रुपये की टोकन राशि देकर अपने नजदीकी एमजी डीलरशिप से बुक कर सकते हैं। इसकी एक्स शोरूम प्राइस 7.80 लाख है और इसे 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर बैटरी रेंटल सर्विस के साथ पेश किया गया है, जिससे यह कॉमेट ईवी का टॉप वेरिएंट बन जाता है। बता दें कि इसमें स्टाइलिश स्टारी ब्लैक एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में रेड एक्सेंट और प्रीमियम लेदरेट सीट्स दिए गए हैं। ब्लैक फिनिश्ड कॉमेट ईवी नेमप्लेट और इंटरनेट इनसाइट लोगो इसे देखने में और आकर्षक बनाता है।

बाद बाकी इसमें एक्सक्लूसिव एक्सेसरी पैक भी ऑफर किया जा रहा है, जिसमें बैज, व्हील कवर, हुड ब्रैंडिंग और स्किड प्लेट्स को बेहतर बनाने की सुविधा मिलता है।

एमजी कॉमेट ईवी ब्लैकस्टॉर्म एडिशन में 17.4 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो कि सिंगल चार्ज में 230 किलोमीटर की अराई-सर्टिफाइड रेंज देने में सक्षम है। इस किफायती सिटी सेंट्रिक स्मॉल इलेक्ट्रिक कार को फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया गया है, जिससे अब चार्जिंग में कोई परेशानी नहीं होगी।

बाद बाकी इसमें 4-स्पीकर साउंड सिस्टम, बड़ी स्क्रीन समेत काफी सारे स्मार्ट और सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। इसकी 2.5 प्रति किमी बैटरी रेंटल सर्विस के साथ एक्स शोरूम प्राइस 4.99 लाख रुपये से शुरू होती है।

ऐसे में जो लोग एक स्टाइलिश, किफायती और स्मार्ट इलेक्ट्रिक कार लेना चाहते हैं, उनके लिए एमजी कॉमेट और इसका ब्लैक्सॉर्म एडिशन अच्छे विकल्प के रूप में है। बता दें कि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया को भारत में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। साल 2024 में इसकी बिक्री 29 फीसदी बढ़ी, जिससे यह भारत के शहरी इलाकों में सबसे पसंदीदा ईवी में से एक बन गई है। कॉम्पैक्ट डिजाइन, शानदार स्टाइल और अडवांस फीचर्स इसे स्मार्ट सिटी ड्राइवर्स के लिए एक परफेक्ट चॉइस बनाते हैं।

इस सप्ताह 1,036 रुपए सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 3,667 रुपए फिसली

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश भर में इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 22 फरवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 86,092 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 1 मार्च को घटकर 85,056 रुपए हो गया। इस हफ्ते सोने के दाम में 1,036 रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। पिछले शनिवार को चांदी 97,147 रुपए प्रति किलो थी, जो अब 3,667 रुपए घटकर 93,480 रुपए प्रति किलो पर आ गई है।चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो के सार्वजनिक स्तर को छुआ था। वहीं दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,770 रुपए, मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए, कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,620 रुपए और चे न्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए है। वहीं इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 8,894 रुपए बढ़कर 85,056 रुपए पर पहुंच गया है । वहीं, चांदी का भाव भी 86,0 17 रुपए प्रति किलो से 7,463 रुपए ब ढ़कर 93,480 रुपए हो गया।

केंद्र सरकार ने जारी किए वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आंकड़े

तीसरी तिमाही में 6.2 प्रतिशत रही जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आंकड़े जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत की विकास दर 6.2 फीसदी रही है। इससे पहले दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 प्रतिशत रही थी। ताजा आंकड़े शुक्रवार को जारी किए गए। तीसरी तिमाही की यह वृद्धि 6.3 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ी कम रही, लेकिन पूरे साल की विकास दर अनुमान के मुताबिक 6.5 प्रतिशत पर रह सकता है। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी 47.17 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में यह 44.44 लाख करोड़ रुपये थी। ग्रॉस वैल्यू एडेड में भी साल-दर-साल 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ 9.9 फीसदी रही, जिसमें महंगाई दर भी शामिल है। पिछले तिमाही में आई थी जीडीपी में गिरावट हालांकि सरकार ने अनुमान लगाया कि तीसरी तिमाही में 6.3 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट रह सकती है, इसलिए अनुमान से कम थोड़ा रहा है। लेकिन तिमाही दर तिमाही आधार पर देश की विकास दर में बढ़ोतरी देखने को मिली है, क्योंकि सितंबर तिमाही में देश की जीडीपी ग्रोथ 5.4 फीसदी पर थी।

ज्योतिरादित्य सिंधिया मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2025 में वैश्विक मंच पर भारत की प्रगति का करेंगे प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, 3 से 6 मार्च को स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह विश्व के सबसे बड़े और प्रभावशाली प्रौद्योगिकी और दूरसंचार कार्यक्रमों में से एक है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को अपनी यात्रा के संदर्भ में विचार प्रकट करते हुए कहा कि भारत तेजी से एक वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और नवाचार में तेजी लाने के लिए मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2025 में देश की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वह वैश्विक विशेषज्ञों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने और मोबाइल और दूरसंचार क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय संचार मंत्री

ज्योतिरादित्य सिंधिया एमडब्ल्यूसी में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के उद्घाटन समारोह का अनावरण और 'भारत पैवेलियन' का उद्घाटन करेंगे।

इसके अलावा सिंधिया एमडब्ल्यूसी 2025 में वैश्विक तकनीकी प्रशासन और नवाचार संतुलन पर प्रमुख सत्रों को संबोधित करेंगे संचार मंत्री अपनी यात्रा के दौरान 5-जी, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), 6-जी, क्वांटम और अगली पीढ़ी की मोबाइल प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक विकास का पता लगाने के लिए वैश्विक उद्योग प्रमुखों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के साथ जुड़ेंगे।

केंद्र सरकार का 2025-26 के लिए गेहूं खरीद का 3.1 करोड़ टन लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अप्रैल से शुरू होने वाले 2025-26 रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं, धान और मोटे अनाज जैसी रबी फसलों के लिए खरीद लक्ष्य तय किया है। कृषि मंत्रालय के आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस वर्ष 11.5 करोड़ टन गेहूं की उत्पादन की तरक्की के बावजूद, खरीद लक्ष्य थोड़ा कम है। सरकार ने हाल ही में राज्य के खाद्य सचिवों के साथ एक बैठक आयोजित की, जिसमें गेहूं, चावल, और मोटे अनाज की खरीद को लेकर निर्णय लिया गया। इस बैठक के बाद, आने वाले विपणन सत्र के लिए गेहूं, चावल, और मोटे अनाज की खरीद का लक्ष्य तय किया गया है।गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी तय किया गया है, जिसका मान 2,425 रुपये प्रति क्विंटल है। सरकार इसके माध्यम से किसानों को सहायता पहुंचाने का निश्चित करना चाहती है। राज्यों से गेहूं और चावल की खरीद को बढ़ाने के लिए कदम उठाने की भी अपील की गई है। साथ ही, मोटे अनाज की खरीद पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी सरकार का ध्यान है।सरकारी गेहूं की खरीद विपणन सत्र 2024-25 में 2.66 करोड़ टन तक पहुंची, जो कि लक्ष्य के 3 से 3.2 करोड़ टन का है। इसके बावजूद, इस संख्या उस सत्र के लक्ष्य से कम है। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और जन पोषण केंद्रों सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें विभिन्न राज्यों और संबंधित संगठनों के अधिकारी शामिल थे।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : एस.एफ. बायज ने किया बड़ा उलटफेर

इन्दौर

सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में खेली जा रही प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति मोयरा अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा का पहला चरण अंतिम व रोमांचक दौर में पंहुच गया है। यंग आदिवासी, डे बोर्डिंग सांईधाम युनाईटेड महू व आदिवासी-ए ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य दौर में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है वही आज एस.एफ. बायज ने सशक्त इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब को मात देकर इस स्पर्धा का सबसे बड़ा उलटफेर किया है।

यंग आदिवासी, डे बोर्डिंग व आदिवासी-ए मुख्य दौर में

स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया की नेहरू स्टेडियम के मैदान पर मोयरा सरिया, खेल विभाग व नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से खेली जा रही इस स्पर्धा में शुक्रवार को पहला मुकाबला मालवा युनाईट के मध्य खेला गया। उच्च स्तर के खेल के बावजुद दोनो टीमें निर्धारित समय तक गोल करने में नाकाम रही। नतीजे के लिए टाईब्रेकर का सहारा लेना पड़ा, जिसमें मालवा युनाईटेड की टीम 5-4 से विजयी रही।

दूसरा मुकाबला शहर की चैंपियन टीम इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब व एस.एफ. बायज के मध्य खेला गया। मैच के दसवें मिनट में ही अक्षय कौशल ने गोल दाग कर इन्दौर स्पोर्ट्स को 1-0 से आगे कर दिया। दुसरा हाफ में एस.एफ. बायज ने पलटवार करते हुए कई शानदार मूव बनाए और उन्हें सफलता 50 वे मिनट में मिली जब गेंद तीन बार गोल पोस्ट से टकराकर वापस आ गई लेकिन चैथे प्रयास में महेन्द्र ने गोल दागकर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक यही स्कोर रहा। टाईब्रेकर में भी एस.एफ. बायज के गोलकीपर ने सुन्दर बचाव करते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिला दी, बल्कि एक धमाकेदार उलटफेर भी कर दिया।

तीसरा व अंतिम मुकाबला भी चेलेन्जर युनाईटेड इन्दौर व साईधाम युनाईटेड महू के मध्य रोचक अंदाज में खेला गया। ऐसा लग रहा था कि इस मैच का फैसला भी टाईब्रेकर से होगा, लेकिन मैच के अंतिम क्षणो में जॉय ने सुन्दर मैदानी गोल दागकर सांईधाम युनाईटेड को 1-0 से जीत दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

प्राग मास्टर्स: प्रज्ञानानंद ने दाई वैन को हराकर दर्ज की पहली जीत

प्राग। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शुक्रवार को प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रही, क्योंकि पहले दो राउंड में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा था। खेल निम्जो-भारतीय रक्षा से शुरू हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने रणनीतिक बढ़त बनाई। 14वीं चाल में ही उन्हें निर्णायक बढ़त मिल गई, जिसके बाद उन्होंने आसानी से मैच पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। हालांकि, बीच के कुछ क्षणों में थोड़े उतार-चढ़ाव आए, लेकिन परिणाम पर कोई संदेह नहीं था। मध्य खेल में दाई वान रक्षात्मक स्थिति में थे, बावजूद इसके कि उनके पास अतिरिक्त मोहरा था। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सूझबूझ और सटीकता से खेलते हुए स्थिति को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने मामूली पीस के बदले रूक प्राप्त किया और अंततः तकनीकी उत्कृष्टता से जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर बोलते हुए प्रज्ञानानंद ने कहा, पहले राउंड में कुछ खास नहीं था, मेरी स्थिति अच्छी थी। लेकिन आज की जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण थी और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंद टूर्नामेंट में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

जर्मन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची ध्रुव कपिला, तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी मुलहेम एन डेर रूहर

मुम्बई। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां चीन के गाओ जिया झुआन और वू मेंग यिंग को सीधे सेटों में हराकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 21-14, 21-17 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी का अंतिम चार में मुकाबला इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशर्जतो और ग्लोरिया एमानुएल विदजाजा से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड से 12-21, 12-21 से हारकर महिला एकल क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गईं। थारुण मन्नेपल्ली भी पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में टोमा जूनियर पोपोव से 16-21, 21-17, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

सरफराज को जून में मिल सकता है टेस्ट खेलने का अवसर

नई दिल्ली । घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं ।

यूपी वॉरियर्स की टीम पहली बार खेलेगी लखनऊ में घरेलू मैच

लखनऊ

वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के तीसरे सीजन में पहली बार यूपी वॉरियर्स की टीम अपने घरेलू मैदान, भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेलेगी। टीम 28 फरवरी को लखनऊ पहुंची। दीप्ति शर्मा की कप्तानी वाली यह टीम 3 मार्च को गुजरात जायंट्स, 6 मार्च को मुंबई इंडियंस और 8 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साह - कप्तान दीप्ति शर्मा ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने दो सीजन से अपने घरेलू मैदान पर खेलने का इंतजार किया है और अब यह सपना पूरा हो रहा है। घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा खास होता है, और हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टीम के कोच जॉन लुईस ने कहा कि यूपी वॉरियर्स की सफलता के लिए अनुकूलनशीलता (एडप्टेबिलिटी) महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि टीम के पास संतुलित संयोजन है और खिलाड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं।

युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर - युवा खिलाड़ी वृंदा दिनेश ने कहा, यूपी वॉरियर्स के लिए खेलना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। मैंने अब तक इस अनुभव का पूरा आनंद लिया है और लखनऊ में खेलने को लेकर उत्साहित हूं।

महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की पहल - कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक जिनिशा शर्मा ने कहा कि यूपी वॉरियर्स न केवल क्रिकेट में बल्कि महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और खेल के विकास में भी योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि टीम यूपी क्रिकेट एसोसिएशन और स्कूलों के साथ मिलकर युवा लड़कियों को क्रिकेट से जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

यूपी वॉरियर्स डब्ल्यूपीएल 2025 टीम

कप्तान: दीप्ति शर्मा (कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), चिनेल हेनरी, पूनम खमनार, किरण नवगिरे, दिनेश वृंदा, जॉर्जिया वोल, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, तहलिया मैकग्राथ, श्वेता सेहरावत, अंजलि सरवानी, सोफी एक्लेस्टोन, राजेश्वरी गायकवाड़, साइमा ठाकोर, आरुषि गोयल, क्रांति गौड़, गौहर सुल्ताना।

धवन ने शुभमन को भारतीय टीम का भविष्य का कप्तान बताया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। धवन ने कहा है कि शुभमन भारतीय टीम का भविष्य हैं और उसे आने वाले समय में सफेद गेंद क्रिकेट प्रारुप में कप्तान बनाया जाना चाहिये । धवन का कहना है कि जिस प्रकार से अब तक शुभमन ने खेला है उससे साफ है कि वह अभी बेहतरीन फार्म में हैं। शुभमन ने चैम्पियंस ट्रॉफी की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार शतक लगाया जबकि पाक पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी उन्होंने 46 रन बनाये। इस प्रकार शुभमन ने अभी तक हुए दो मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। धवन ने कहा, मुझे शुभमन गिल की बल्लेबाजी बहुत पसंद है, यह बहुत ही अच्छे स्तर के बल्लेबाज हैं। सबसे खास बात ये है कि उनमें निरंतरता है और एक पेशेवर रुख भी है। वह जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा को युवाओं के साथ खेलना अच्छा लगता है और वह अपने कई सालों के अनुभव को उनके साथ साझा करते होंगे जिसका लाभ भी शुभमन को मिला होगा। रोहित उन्हें बताते होंगे कि किस प्रकार क हालातों में कैसे खेलना है।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल हुए नेमार

रियो डी जेनेरियो

नेमार को कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्टूबर 2023 में मोंटेवीडियो में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान अपने बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

लंबी रिकवरी प्रक्रिया के बाद, नेमार ने जनवरी में अल-हिलाल से बचपन के क्लब सैंटोस में शामिल होने के बाद से अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई है।

ब्राजील के मैनेजर डोरिवल जूनियर ने रियल बेटिस के विंगर एंटनी, किशोर रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड एंड्रिक और एटलेटिको मैड्रिड के सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर ऑस्कर और साओ पाउलो के साथी लुकास मौरा को भी टीम में शामिल किया है।

जैसा कि अपेक्षित था, 52 सदस्यीय सूची में रियल मैड्रिड के हमलावर विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो, न्यूकैसल के प्रवर्तक ब्रूनो गुइमारेस और बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा शामिल हैं।

ब्राजील 20 मार्च को ब्रासीलिया में कोलंबिया से और पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना से भिड़ेगा।

पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 क्वालीफायर से 18 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जो लीडर अर्जेंटीना से सात अंक पीछे है।

डोरिवल द्वारा अगले सप्ताह मैचों के लिए अंतिम 23 सदस्यीय टीम की घोषणा करने की उम्मीद है।

पूर्व रणजी खिलाड़ियों के लिए बन रही लीग : प्रवीण कुमार

अब पूर्व रणजी क्रिकेटरों के लिए भी एक नई बनने जा रही है। इस लीग का आयोजन इसी साल जून-जुलाई में हो सकता है। इसमें रणजी से संन्यास ले चुके खिलाड़ी खेलेंगे। एक लीग के आयोजन की रुपरेखा बनायी जा रही है । इसके लिए मेंटोर की जिम्मेदारी पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार को दी गयी है। इस लीग का नाम 'एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग (ईवीसीएल) रहेगा और इसमें छह फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी और कुल 18 मैच होंगे। प्रवीण कुमार ने कहा, 'मैं रणजी खिलाड़ियों के योगदान को मान्यता देने के लिए ईवीसीएल का समर्थन करता हूं। इन खिलाड़ियों को श्रेय मिलना ही चाहिये क्योंकि इन खिलाड़ियों को मेहनत के बाद भी अधिक पहचान नहीं मिली है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह लीग पूर्व रणजी क्रिकेटर को करियर को फिर से निखारने और कमाई करने का एक अवसर देगी। इस लीग के लिए खिलाड़ियों का शीघ्र होगा।

जब सीमा पर शांति होगी तभी खेली जाएगी भारत-पाक द्विपक्षीय सीरीज : गावस्कर

मुम्बई

भारत और पाकिस्तान ने करीब एक दशक से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनो ही टीमों ने अंतिम बार कोई सीरीज साल 2012-13 में खेली थी। तब पाक टीम भारत दौरे पर आई थी। इसके बाद से ही राजनीतिक तनाव के चलते भारतीय टीम ने पाक दौरे से इंकार कर दिया। इसके पीछे एक बड़ा कारण खिलाड़ियों की सुरक्षा का भी है। भारतीय टीम अभी जारी चैम्पियंस ट्रॉफी में अपने मुकाबले दुबई में खेल रही है जबकि इस टूर्नामेंट का मेजबान पाक है।

वहीं जब एक शो में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर से पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी तो गावस्कर ने कहा कि जब तक सीमा पर शांति नहीं हो जाती, तब तक द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधों की बहाली संभव नहीं है। गावस्कर ने कहा कि जब सीमा पर शांति होगी तो तभी खेल भी संभव है। अगर सीमा पर शांति रहती है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखिए ठीक है हमारे यहां कोई घटना नहीं हुई बिल्कुल भी नहीं। तो चलिए कम से कम बाचतीत से शुरुआत करते हैं। गावस्कर ने आगे कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि बातचीत के प्रयास चल रहे होंगे पर जब तक जमीन पर सब कुछ ठीक न हो कुछ कहा नहीं जा सकता । आये दिन हम आतंकी घुसपैठ की बातें सुनते हैं। इसी कारण भारत सरकार कह रही है कि पहले पाक अपनी हरकतें रोके उसके बाद ही खेल होना संभव है।

वार्विकशायर ने मैनचेस्टर सिटी के जेम्स थॉमस को प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया

लंदन

वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के क्लब मैनचेस्टर सिटी के वरिष्ठ अधिकारी जेम्स थॉमस को प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया है। थॉमस वर्तमान में मैनचेस्टर सिटी में प्रदर्शन सेवाओं के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और जून में क्रिकेट जगत में कदम रखेंगे। थॉमस, जो पहले पेशेवर रूप से रग्बी यूनियन खेल चुके हैं, ब्रिटिश जिमनास्टिक्स के प्रदर्शन निदेशक के रूप में भी पांच वर्षों तक काम कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में ब्रिटिश जिमनास्टिक्स ने टोक्यो ओलंपिक में पदकों की ओर महत्वपूर्ण प्रगति की थी। वार्विकशायर की इस नियुक्ति का निर्णय क्लब द्वारा ऑफसीजन के दौरान उच्च प्रदर्शन समीक्षा के बाद लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप पुरुषों के मुख्य कोच मार्क रॉबिन्सन को हटा दिया गया था। नई एकीकृत संरचना के तहत, थॉमस को वार्विकशायर पुरुषों, बियर्स महिलाओं और बर्मिंघम फीनिक्स टीमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वार्विकशायर के मुख्य कार्यकारी स्टुअर्ट कैन ने कहा, जेम्स को उच्च प्रदर्शन वाले खेल में एक असाधारण प्रतिभा के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने विभिन्न खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक तत्वों को समझने की अद्भुत क्षमता प्रदर्शित की है। थॉमस ने इस नियुक्ति पर कहा, मुझे वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में प्रदर्शन निदेशक के रूप में शामिल होने की खुशी है। क्लब की अपनी समृद्ध बीयर्स संस्कृति को बनाए रखने और उसे आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता से मैं प्रभावित हुआ हूं। हालांकि थॉमस गर्मियों तक अपनी भूमिका नहीं संभालेंगे, लेकिन क्लब ने पुष्टि की है कि वह प्री-सीज़न के दौरान पुरुष और महिला टीमों के साथ समय बिताएंगे, साथ ही क्रिकेट जगत के अन्य प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करेंगे ताकि वह नई भूमिका के लिए खुद को तैयार कर सकें।

पसंदीदा कवर ड्राइव से पारी को नियंत्रित करते हैं विराट

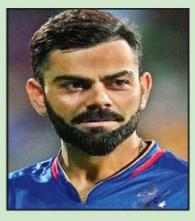

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि कवर ड्राइव उनका पसंदीदा शॉट है । कोहली के अनुसार इस शॉट से वह पारी को नियंत्रित भी कर पाते हैं हालांकि कभी-कभी ये नुकसान देह भी रहा है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफ में शतक के दौरान भी कई कवर ड्राइव लगाये थे। कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि ये एक कठिन स्थिति है। ये कवर ड्राइव पिछले कुछ साल में मेरी कमजोरी रहा है हालांकि इसी शॉट से उन्होंने काफी रन भी बनाये हैं। ,कोहली ने कहा, ''क्योंकि जब मैं इस तरह के शॉट लगाता हूं तो मैं क्रीज पर बल्लेबाजी करते समय नियंत्रण महसूस करता हूं। इसलिए पाक के खिलाफ खेली गयी पारी मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर उनकी भूमिका पिछले कुछ साल में बदलाव रहित रही है। एक बात जो मैंने हमेशा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते समय सोची है।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

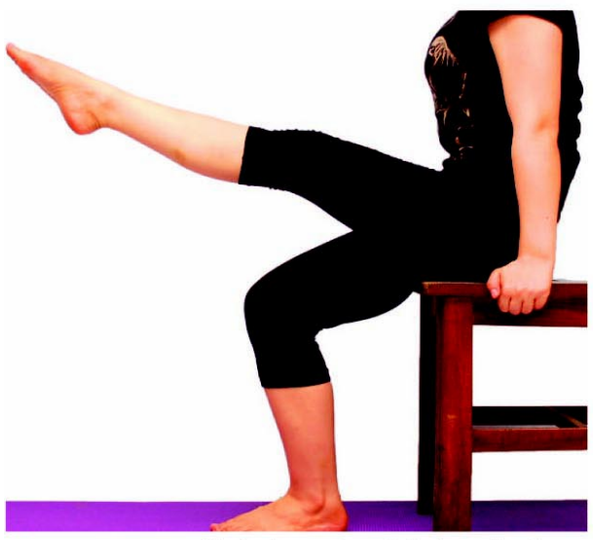

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का बल्ड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 गाम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

HEALTH | अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

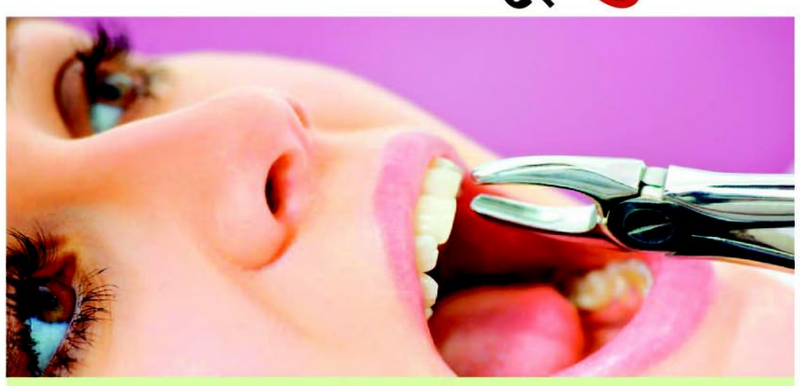

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त्न तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फॅट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बत्ते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पलती लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, 1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लॅट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**